MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 365 | ग्वालियर, रविवार 15, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

सीएम योगी आदित्यनाथ का निजी सचिव बताकर करता था ठगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने मुख्यमंत्री का निजी सचिव बताकर ठगी करने वाले फ़ारूख अमन को यहां कमता तिराहे से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राज्य के मुख्यमंत्री का निजी सचिव बताकर ठगी करने एवं ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले गिरोह के एक प्रमुख सदस्य फ़ारूख अमन को बृहस्पतिवार देर रात गिरफ्तार किया गया। उसका संबंध पैसे लेकर प्रतियोगी परीक्षाएं पास कराने का झांसा देने एवं ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले गिरोह से है। आरोपी फारूख अमन (26) आजमगढ़ के सहरियां गांव का है। उसके क़ब्ज़े से दो मोबाइल, आधार कार्ड, 'वर्क प्रिंट आउट' समेत कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। बयान में कहा गया कि एसटीएफ को सूचना मिल रही थी कि मुख्यमंत्री के निजी सचिव के रूप में पेश करते हुए फर्जी वाट्सएप एकाउंट बनाया गया है, उसमें उच्च अधिकारियों के सीयूजी नम्बर को जोड़े गये हैं तथा लोगों से पैसे लेकर अधिकारियों से उनकी

पैरवी करने, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं पास कराने की पेशकश की जा रही है । यह काम संगठित रूप से किया जाता था। जांच के दौरान पता चला कि ऐसा करने वाले गिरोह के सरगना का मुख्य सहयोगी फारूख अमन लखनऊ में मौजूद है। इस सूचना पर टीम ने बृहस्पतिवार की देर रात फारूख अमन को कमता तिराहा अवध बस स्टैंड के पास गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पर थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा आईटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत अभियोग पंजीकृत गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब किसी राजनेता का अधिकारी बताकर ठगी की जा रही हो। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

न्यूज ट्रैक

गाजियाबाद में जूस विक्रेता को पुलिस ने किया गिरफ्तार, फलों के जूस में मिलाता था इंसानों की पेशाब

गाजियाबाद। जिले के लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पुलिस ने 29 वर्षीय एक जूस विक्रेता को कथित तौर पर फलों के जूस में मानव मूत्र मिलाने को लेकर गिरफ्तार किया है जबकि उसके नाबालिग (15) सहयोगी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अंकुर विहार क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) भाष्कर वर्मा ने बताया कि यह गिरफ्तारी जनता की शिकायत पर की गई है। उनके मुताबिक लोगों ने शिकायत की थी कि यह जूसविक्रेता मानव मूत्र मिलाकर ग्राहकों को फलों का जूस परोस रहा था। उन्होंने बताया कि जूस विक्रेता की पहचान आमिर (29) के रूप में हुई है। वर्मा ने कहा कि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसके जूस के ठेले पर तलाशी ली तो पेशाब से भरी प्लास्टिक की केन बरामद हुई। उनके अनुसार पुलिस ने इस संदर्भ में आमिर से पूछताछ की लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया एवं उसके किशोर साथी को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानूनी कार्यवाही चल रही है। बीते कुछ दिनों में इस तरह का वीडियो खूब देखने को मिल रहे हैं, जहां विक्रेताओं द्वारा खाने-पीने की चीजों के साथ अजीबों-गरीब बर्ताव किया जा रहा है। इसी तरह का एक वीडियो दिल्ली-देहरादून हाईवे पर छुटमलपुर में देखने को मिला, जहां दस्तरखान नाम से एक मुस्लिम ढाबे पर तंदूर में रोटियों को सेंकने से पहले उनपर थूका जाता था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद छुटमलपुर निवासी सोना पंडित ने इसकी शिकायत फतेहपुर थाने में इसकी शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने रोटी बना रहे शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद युवक ने स्वीकार किया किय रोटी बनाते वक्त वह रोटियों पर थूकता था। पुलिस और खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए ढाबे को सील कर दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी नाबालिग है। इस मामले में एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को पकड़ा है। आरोपी की आयु 15 साल बताई जा रही है।

मेरे हौसले 100 गुना बढ़ गए, जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल की पहली प्रतिक्रिया

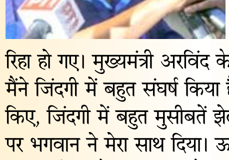

नई दिल्लीः दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में जमानत मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार शाम को तिहाड़ जेल से रिहा हो गए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने जिंदगी में बहुत संघर्ष किया है। बहुत बड़े-बड़े संघर्ष किए, जिंदगी में बहुत मुसीबतें झेली हैं लेकिन हर कदम पर भगवान ने मेरा साथ दिया। ऊपर वाले ने मेरा साथ दिया क्योंकि मैं सच्चा था, मैं सही था। इन लोगों (बीजेपी) ने मुझे जेल में डाल दिया। केजरीवाल ने कहा कि इन लोगों को लगा कि केजरीवाल को जेल में डाल देंगे तो केजरीवाल के हौसले टूट जाएंगे। आज मैं आपको कहना चाहता हूं कि मैं जेल से बाहर आया हूं, मेरे हौसले 100 गुना ज्यादा बढ़ गए हैं। मेरी ताकत 100 गुना ज्यादा बढ़ गई है। इनकी जेल की सलाखें केजरीवाल के हौसले को कम नहीं कर सकती। उन्हें लगता था कि जेल की सलाखों के पीछे मेरे हौसले टूट जाएंगे। जेल की सलाखें मेरे हौसले कम नहीं सकीं। राष्ट्र विरोधी लोगों के खिलाफ लड़ता रहूंगा। लोगों ने मेरे लिए दुआएं की। केजरीवाल ने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जैसे आज तक ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, मुझे ताकत दी, ऐसे ही मुझे रास्ता दिखाता रहे, मैं देश की सेवा करता रहूं और ये जितनी भी राष्ट्र विरोधी ताकतें हैं। जो देश को बांटने का काम कर रही हैं, देश को अंदर से कमजोर करने का काम कर रही हैं, जिंदगी भर मैं इनके खिलाफ लड़ा हूं और ऐसे ही लड़ता रहूंगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद तिहाड़ जेल के बाहर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया गया और पटाखे जलाए गए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत दे दी। इससे पहले ईडी मामले में केजरीवाल को पहली ही जमानत मिल चुकी है।

अरविंद केजरीवाल के स्वागत में जलाए गए पटाखे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। इस जमानत के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तें भी रखीं हैं। इन शर्तों के तहत अरविंद केजरीवाल सीएम के दफ्तर का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे और किसी भी सरकारी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं कर पाएंगे।

जमानत पर जेल से बाहर निकलने के बाद अरविंद केजरीवाल आज अपत्नी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां सीएम केजरीवाल ने हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद अब उनके घर के बाहर उनके स्वागत के लिए पटाखे जलाने का मामला सामने आया है। दरअसल अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद उनके समर्थकों और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर स्वागत में पटाखे जलाएं। इसे लेकर अब दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। बता दें कि यह एफआईआर अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। दरअसल दिल्ली में किसी भी तरह के पटाखे जलाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी है। बता दें कि इससे पहले आप नेता संजय सिंह ने आज सुबह 11 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जो जमानत दी और उसमें जो बातें लिखीं, उससे साबित होता है कि इसमें पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का कुचक्र था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हीं बातों का जिक्र किया है जो हम पहले दिन से कहते आ रहे हैं। बीजेपी का उद्देश्य अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करना, आम आदमी पार्टी को खत्म करना और सरकारों को गिराना है। मैं अपने नेता अरविंद केजरीवाल को बधाई देना चाहता हूं कि उनके नेतृत्व में आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती के साथ खड़ रही। लाख कोशिशों के बाद भी वो हमें तोड़ नहीं पाए।

ड्रिंक एंड ड्राइव के चक्कर में हुआ भीषण हादसा

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, दो घायल

संभाजी नगर। महाराष्ट्र के संभाजी नगर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बताया जा रहा है कि दो कारों के बीच हुई भीषण टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की वजह शराब पीकर गाड़ी चलाना बताया गया है। वहीं हादसे का के वीडियो भी सामने आया है, जो वहीं बगल में मौजूद एक पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। सीसीटीवी फुटेज में दोनों कारों की आमने-सामने से हुई भीषण टक्कर हो देखा जा सकता है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के संभाजी नगर में विशाल चव्हाण नाम के ड्राइवर ने कृष्णा केरे को बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी

चलाने की इजाजत दे दी। वहीं कृष्णा केरे ने शराब भी पी रखी थी। बिना ड्राइविंग लाइसेंस के शराब के नशे में धुत शख्स ने कार को हाई स्पीड में चलाया, जिसके बाद वह नियंत्रण खो बैठा। इसी बीच सामने से आ रही एक अन्य कार में उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद लोग मौके पर भागकर पहुंचे। हालांकि इस हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल घायलों का उपचार किया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस की टीम हादसे के बाद कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस ने इस मामले में शराब के नशे में गाड़ी चलाकर दुर्घटना करने वाले दो लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस आगे की जांच कर रही है। घटना की वीडियो भी सामने आया है। हादसे का वीडियो घटना वाली जगह पर मौजूद पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसमें दर्दनाक टक्कर देखी जा सकती है।

मोबाइल की दुकान पर 3 चोरों ने बोला धावा, आधी रात में 40 लाख का माल बोरी में भरकर ले गए

नई दिल्ली। नागपुर में एक मोबाइल की दुकान में 3 चोर बीती रात को घुस गए। तीनों चोरों ने मिलकर दुकान का सारा माल साफ कर दिया। मामला नागपुर के दिघोरी में स्थित संत कृपा प्रोविजन और मोबाइल शॉपिंग का है। ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। सीसीटीवी में दिख रहा है कि दुकान का शटर बंद है। पहले एक आदमी आता है, उसके पीछे दूसरा आता है, वे तीनों मिलकर शटर को ऊपर करने की कोशिश करते हैं। फिर कुछ आहट होने के बाद वह कुछ देर के लिए कहीं छुप जाते हैं। थोड़ी देर बाद तीन लोग आते हैं। तीनों मिलकर शटर को ऊपर करते हैं। इस दौरान एक आदमी दुकान के अंदर घुस जाता है और बाकी के दो नजर रखने के लिए बाहर रहते हैं। सीसीटीवी में दिख रहा है कि मोबाइल शॉपिंग के अंदर जो व्यक्ति अंदर जाता है, वह बड़ी-बड़ी दो बोरियों में लगभग 80 मोबाइल भरकर सटर के पास रखता है। उसकी पीठ पर जो बैग था, उसमें भी वह तीन-चार मोबाइल रखता है। इसके बाद चोर शॉपिंग केंद्र से बाहर निकलता है और बोरियों समेत चंपत हो जाता है। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह दुकानदार जब पहुंचता है तो उसे चोरी की घटना का पता लगता है। लगभग 35 से 40 लाख रुपए के मोबाइल चोरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। 80 से 100 मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिली है। घटना सुबह 4:15 बजे की बताई जा रही है।

कोडरमा में टल गया बड़ा हादसा, दो भागों में टूटकर अलग हो गई मालगाड़ी ट्रेन

नई दिल्ली। बिहार के कोडरमा में एक बड़ी दुर्घटना टल गई है। यहां मलगाड़ी टूटकर दो भागों में बंट गई। ड्राइवर की सूझ-बूझ के कारण कोई घायल नहीं हुआ है। बता दें कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन कोडरमा से गया की ओर जा रह थी। यह हादसा सुबह के 9 बजे गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर सुबह 9 बजे के आसपास घटी। अप लाइन पर मालगाड़ी आ रही थी। फिलहाल इस हादसे के बाद से लाइन ठप्प पड़ा हुआ है। रेलवे द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक मालगाड़ी की बोगी को जोड़ने वाली कपलिंग के टूटने कारण मालगाड़ दो हिस्सों में बंट गया। रेलवे के अधिकारी और रेलवेकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि रेलवे से ही जुड़े कई मामले बीते कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, जहां ट्रेन को डीरेल करने या घटनाग्रस्त करने नीयत से कहीं पटरी पर सीमेंट के ब्लॉक्स बिछाए गएं तो कहीं सिलेंडर गै। कालिंदी एक्सप्रेस मामले में केंद्रीय जांच

एजेंसी एनआईए का एक्शन शुरू हो चुका है। एनआईए की टीम इस मामले में संदिग्ध शाहरुख नाम के संदिग्ध से पूछताछ करेगी। पुलिस ने शाहरुख को एनआईए के हवाले कर दिया है। बता दें कि बीते दिनों कानपुर के शिपराजपुर क्षेत्र के मुंडेरी गांव के पास प्रयागराज से आ रही कालिंदी एक्सप्रेस को डीरेल करने की साजिश का खुलासा हुआ था। इसमें रेलवे ट्रैक के बीच में एलपीजी सिलेंडर रखा गया था, लेकिन लोको पायलट की सूझ-बूझ के चलते बड़ा हादसा होने से टल गया। जांच के दौरान रेलवे ट्रैक के पास बोतल में पेट्रोल भी बरामद किया गया।

जानकारी के मुताबिक इस केस में संदिग्ध शाहरुख को लेकर कई खुलासे हुए हैं। दरअसल शाहरुख ने फेसबुक पर राजा नाम से एक फेक आईडी बनाई थी। यहां शाहरुख ने सोशल मीडिया पर भगवा गमछे में तस्वीर शेयर की और ऐसी जानकारियां भी सामने आई है कि चुनावी रैलियों में शाहरुख जय श्रीराम के नारे भी लगाता था। संदिग्ध आरोपी शाहरुख कितना शातिर है, उसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल से ही पता चलता है। दरअसल शाहरुख ने हिंदू नाम से अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बना रखी है, जिसपर वह हिंदुत्वे से जुड़े कंटेंट को शेयर करता है और भगवे गमछे में तस्वीर शेयर करता है।

सागर में एक ही परिवार की 3 महिलाएं और एक बच्ची का शव कुएं में मिला

मध्य प्रदेश के सागर जिले के देवरी कोपरा गांव में शनिवार सुबह कुएं में तीन महिलाओं और एक बच्ची का शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई। मिले शवों में दो महिलाएं फंदे पर लटकी मिलीं, जबकि एक अन्य महिला और एक बच्ची का शव पानी में तैरता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को कुएं से बाहर निकलवाने एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल इस हृदय विदरक घटना की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है। हालांकि परिजनों का आरोप है कि छोटे भाई के ससुराल वाले परिवार को प्रताड़ित करते रहते थे, जिस वजह से यह घटना घटित हुई। देवरी एसडीओपी शशिकांत सरयाम ने बताया कि महिलाओं की पहचान आरती लोधी (35), भारती लोधी (29), भागवती बाई (65) के रूप में हुई है। बच्ची का नाम रोमिका लोधी (6) है, जो भारती लोधी की बेटी थी। भारती और आरती रिश्ते में देवरानी-जेठानी थीं। नानी भागवती बाई और नातिन रोमिका लोधी का शव पानी में तैरते हुए मिला। भागवती बाई भारती लोधी की मां थीं। परिवार के सदस्य सुरेंद्र लोधी ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे गांव के ही रहने वाले किशोर लोधी ने इस घटना की सूचना दी। जिसके बाद सुरेंद्र लोधी ने मामले की खबर गांव के सरपंच और पुलिस को दी। सुरेंद्र लोधी भी गांव वालों के साथ मौके पर पहुंचे। सुरेंद्र ने बताया कि, ÷एक साल पहले छोटे भाई सोनू लोधी की पत्नी ने जहर खाकर सुसाइड किया था। मामले में पुलिस ने परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

जब गडकरी ने कमरे में बंद करके सुपारी पत्रकार को पिटवाया अगले दिन से बंद हो गया अखबार, केंद्रीय मंत्री ने सुनाई आपबीती

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा की सुपारी पत्रकारों की कमी नहीं है, जो पत्रकार राइट टू इनफॉरमेशन के तहत काम करते हैं उन्होंने मर्सिडीज की गाड़ियां तक खरीद ली हैं। नागपुर के प्रेस क्लब में आयोजित स्वर्गीय अनिल कुमार पत्रकारिता पुरस्कार समारोह में नितिन गडकरी ने यह बयान दिया है। गडकरी ने कहा कि वह पत्रकारिता को लोकतंत्र का स्तंभ मानते हैं, जिस तरीके से पत्रकार होते हैं, उसी तरीके से सुपारी पत्रकारों की कमी नहीं है। आजकल राइट टू इनफॉरमेशन मिल गया है। अच्छा हुआ है, लेकिन उसके चलते लोगों

ने मर्सिडीज गाड़ियां खरीद ली हैं। जो पत्रकार राइट टू इनफॉरमेशन में काम करते हैं। गडकरी ने कहा, एक पत्रकार जब मैं मंत्री था। वह पेपर निकालता था। वह पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को ब्लैकमेल करता था। एक हमारे अधिकारी थे, उन्होंने मुझसे कहा कि यह लोग हमें ब्लैकमेल करते हैं। आप ध्यान दीजिए। मैंने कहा कि मैं ध्यान नहीं दूंगा। आप लोग ध्यान दो। मैंने कहा कि जब वह ऑफिस आता है, तो उसको दरवाजे के अंदर बंद कीजिए। उसको ठीक से मारिए। बस खुन नहीं निकलने देना और उन लोगों ने ऐसा ही किया। उसके बाद से पत्रकार का अखबार निकलना बंद हो गया। गडकरी ने एक और पुराना वाकया सुनाते हुए कहा, मराठवाड़ा में एक पत्रकार ऐसा था कि मेरा अधिकारी वहां पर डरता था। मैं गेस्ट हाउस गया तो उसे मेरे अधिकारी ने कहा कि उसकी यहां से बदली कर दो, यहां पर पत्रकार एडवर्टाइजमेंट मांगते हैं। एक बार दो बार दिया। हर बार में कहां से दूं। गडकरी ने कहा कि पत्रकारों के संगठन को समझना चाहिए कि अपने अथॉरिटी कार्ड किसको देना चाहिए किसको नहीं। ऐसे भी पत्रकार रहे हैं जो अपने वसूलों के लिए कटिबंध हैं। इमरजेंसी के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा, लेकिन अपनी पत्रकारता का आदर्श नहीं छोड़े।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय श्री एस.के.जैन, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में दिनांक 14 सितम्बर 2024 (शनिवार) को सिविल न्यायालय खरगोन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे श्री जी.सी.मिश्रा, प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा अन्य न्यायाधीशगण के साथ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में न्यायालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, एस.डी.एम. श्री भास्कर गाचले, अभियोजन अधिकारी श्रीमती सरिता चैहान, लीगल एड डिफेंस काउंसेल सुश्री शाईजा शेख, श्री विनोद भालसे, लीड बैंक मैनेजर श्री सुमेरसिंह सोलंकी, कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग श्री एस.एस.वर्मा, नगरपालिका से श्री महेश वर्मा, दूरसंचार विभाग से श्री दिनेश परमार, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. श्री मयंक पाटीदार व न्यायालय, विद्युत विभाग, नगर पालिका,

बैंक, बी.एस.एन.एल. विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जी.सी.मिश्रा, प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति खरगोन द्वारा अन्य विभागों से उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों व पक्षकारगण से अधिक से अधिक प्रकरणों का नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से निराकरण कर नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग करने हेतु आव्हान किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में तहसील न्यायालय खरगोन अंतर्गत कुल 08 खण्डपीठों द्वारा न्यायालयीन लंबित मामलों में से आपराधिक शमनीय 44 प्रकरण, पराक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के 75 प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा क्षतिपूर्ति 22 प्रकरण, वैवाहिक 8 प्रकरण, प्रकरण, विद्युत बिल 14 प्रकरण, अन्य दिवानी 17 प्रकरण व अन्य 10 प्रकरण तथा प्रीलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) मामलों में बैंक रिकवरी 55 प्रकरण, विद्युत बिल 121 प्रकरण, जल कर व संपत्ति कर 419 प्रकरण प्रकरणों का निराकरण किया गया । नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित 190 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर राशि रू. 53617950/- का अवार्ड पारित किया गया एवं प्रीलिटिगेशन के 595 प्रकरण व राशि 11823915/- इस प्रकार कुल 785 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर राशि रू. 65441865/- का अवार्ड पारित किया गया।

गोहद विधानसभा के मौ मंडल में अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह ने बाढ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा किया

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़

आज मौ नगर एवं आस पास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने किया, मौ नगर में कई इलाकों का निरीक्षण किया साथ में असोहना, मोदीपुरा अंधियारी कलां, रसनोल, देंगमा आदि कई ग्रामों में पहुंचकर लोगों को आश्वासन दिया की आपकी हर समस्या का निराकरण करने के लिए भाजपा सरकार आपके साथ हमेशा तत्पर तैयार खड़ी रहेगी जिन-जिन लोगों का नुकसान हुआ है उन लोगों को बाकायदा मुआवजा भी दिलाया जाएगा इस बीच अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ,तहसीलदार माला शर्मा, मौ नगर अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव ,उपाध्यक्ष पंकज कुशवाहा ,पार्षद सुल्तान मौर्य, मंडल अध्यक्ष गोपाल कुशवाह, महामंत्री राजू मिश्रा आदि कई लोगों ने बाढ़ प्रभावित आम जनों से मुलाकात की।

वीडीडीएस टीम के द्वारा सार्वजनिक स्थानों/डोल ग्यारस जुलूस मार्ग पर की गई सुरक्षा चेकिंग

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिला खरगोन मे आम जन की सुरक्षा व आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा एवं दस्ते को सघन सर्चिंग अभियान चालकर सार्वजनिक व संवेदनशील स्थानों एवं संदिग?ध वाहनों पर एंटी सेबोटाड़ चैकिंग कराई जाने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में टीम के द्वारा सार्वजनिक स्थानों/डोल ग्यारस जुलूस मार्ग पर आम जन की चहल पहल बड़ जाने से जिले खरगोन की एवं के दस्ते के द्वारा सघन सर्चिंग अभियान के चलाकर गणेशजी के मंदिरों व पंडालों की एंटीसेबोटॉज चैकिंग बीडीडीएस टीम के द्वारा आधुनिक उपकरणों द्वारा चेकिंग की गई । उक्त की गई कार्यवाही मे बीडीडीएस प्रभारी निरीक्षक संजय मोरी के नेतृत्व मे बीडीडीएस टीम से आर. राहुल चौधरी, आर सुरेश यादव, प्र.आर. अफजल हुसैन (चालक), प्र.आर. 451 डॉग मास?टर बिसन सिहं सिसोदिया, डॉग मेजर के द्वारा की गई।

सागरताल के पास बनाए गए जलाशय में शुरू हुआ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

ग्वालियर। डोल ग्यारस से गणेशजी महाराज की प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ हो गया है। सागरताल की सफाई के कारण सागरताल के पास ही नगर निगम ने वैकल्पिक जलाशय तैयार किया है। इसमें बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा है। वही सागरताल पर विसर्जन के लिए अनजाने में पहुंच रहे भक्तों को निगमकर्मियो द्वारा अस्थाई जलाशय पर भेजा जा रहा है। सागर ताल का नगर निगम द्वारा सौंदर्यकारण एवं गहरीकरण कराया जा रहा है। इसके कारण सागरताल का सफाई कार्य चल रहा है। साथ ही जलाशय में पानी भी नहीं है। इसके चलते निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने सागरताल के पास ही अस्थाई जलाशय बनाने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के परिपालन में अस्थाई जलाशय नगर निगम द्वारा तैयार किया गया है। इस जलाशय में शहर की सभी बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा है। जबकि छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन कटोराताल पर किया जाएगा। जिन भक्तों को विसर्जन की जानकारी नहीं है वहां भक्त अभी भी विसर्जन के लिए गणेश प्रतिमाओं के साथ सागरताल पर पहुंच रहे हैं। नगर निगम द्वारा सागरताल पर अपने कर्मियों को तैनात किया है यहां अज्ञानतावश विसर्जन के लिए सागरताल पर पहुंच रहे भक्तों को नगर निगम द्वारा तैयार किए गए तालाब पर भेज रहे हैं।

असाटी महिला मंडल समिति के द्वारा व्यंजन मेला का आयोजन किया गया

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के असाटी वार्ड नंबर एक संस्कार भवन में नव युवक मंडल द्वारा गणेश उत्सव का पर्व बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है इस वर्ष सकल असाटी समाज को श्री गणेश जी की स्थापना करते हुए 68 वर्ष हो चुके प्रतिवर्ष समाज की समितियां के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होता है इसी श्रृंखला में दमोह असाटी महिला मंडल समिति के द्वारा व्यंजन मेला का आयोजन किया गया जिसमें समाज की बहनों ने उत्कृष्ट सहभागिता दी कार्यक्रम का आरंभ श्री गणेश मां अन्नपूर्णा की पूजा अर्चना के साथ आरंभ किया गया इसी श्रृंखला को बढ़ाते हुए जिसमें समाज की बहनों ने नीलिमा प्रमोद असाटी,पूर्वी प्रमोद असाटी,कृतिका रोहित कटारिया, प्रियंका मेहुल असाटी,अनीता शिव असाटी, परी मनीष असाटी,त्रिशला प्रशांत असाटी, ममता सुरेंद्र असाटी,नेहा अभय असाटी अभिलाषा आशीष असाटी ,ज्योति कृष्ण कांत असाटी, मनीषा ओम प्रकाश नायक, मधु गणेश असाटी प्रतिभा राजेश असाटी प्रतिभा साकेत असाटी लवी पारस चाट, फ्रेंच फ्राई ,इडली सांभर ,मैरीगोल्ड बिस्किट

असाटी ने अपनी सहभागिता देकर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों जैसे भेलपुरी, मोमोज ,कटोरी चाट, पेस्ट्री ,केक, कपकेक ,पापड़ी चाट ,रबड़ी मालपुआ, टिकिया चाट ,चना जोर, ढोकला ,डोसा सांभर ,दही फुलकी, पानी पुरी जैसी टेस्टी टेस्टी व्यंजनों का बहुत ही आकर्षक ढंग से प्रस्तुतिकरण किया गया समाज बंधुओ द्वारा उसका आनंद लिया गया सभी ने समाज की बहनों द्वारा बनाए गए व्यंजनों कि तारीफ की। कार्यक्रम में अधिक संख्या में समाज के भाई-बहन परिवार सहित उपस्थित रहे एवं तीनों समिति के पदाधिकारी की उपस्थित रहे कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक मंडल मार्गदर्शक मंडल के समस्त सदस्यों असाटी समाज समिति, महिला समिति एवं नवयुवक मंडल के समस्त पदाधिकारियों के द्वारा बधाई देकर मोमेंटो पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए वहीं महिला समिति ने कार्यक्रम में आए हुए सभी समितियो एवं समाज बंधुओ की उपस्थिति के लिए उनके प्रति कृतज्ञता जाहिर की।सभी ने एक दूसरे के साथ मिलजुल स्वादिष्ट स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया कार्यक्रम के अंत में सभी ने भवन में स्थापित प्रभु गणपति के दर्शनों के साथ सफल कार्यक्रम से विदा ली।

शहर में आकर्षण का केंद्र बने 2 पंडाल भगवान गणेश की झांकी में वृद्धाश्रम की झलक

अस्पताल चौराहा स्थित पंडाल की झांकी में कलकत्ता रेप के दोषियों को फांसी दो का सन्देश

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर में अनेकों स्थानों पर पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं जिनके दर्शन

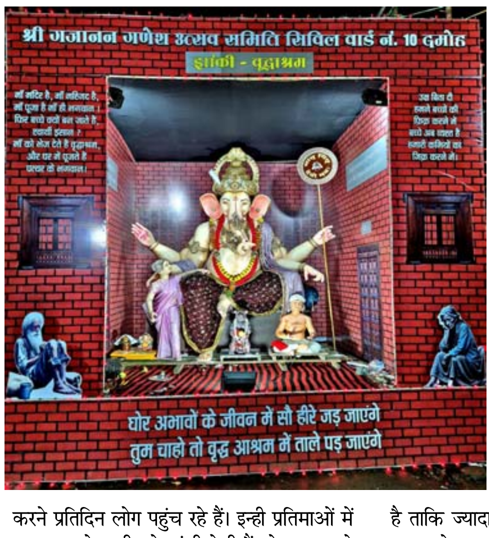

करने प्रतिदिन लोग पहुंच रहे हैं। इन्ही प्रतिमाओं में भगवान गणेश की दो झांकी ऐसी हैं जो समाज को एक अलग ही संदेश दे रही हैं। अस्पताल चौराहे पर स्थित झांकी में डाक्टर को भगवान का रूप बताते हुए कलकत्ता में डाक्टर के साथ हुई घटना के आरोपियों को फांसी देने की मांग की गई है तो वहीं खजरी मोहल्ले में स्थित झांकी में वृद्धाश्रम की झलक दिखाई गई है। इन झाँकियों को देखने प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और झांकी बनाने वालों की काफी सराहना भी कर रहे हैं।

कलकत्ता में डॉक्टर के साथ हुई की घटना का किया विरोध-अस्पताल चौराहे पर आस्था गणेश समिति के द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। जिसमें कलकत्ता में डाक्टर के साथ हुई घटना का विरोध जताते हुए झांकी बनाई गई है। जिसमें कुछ पुतलों को खड़ा करते हुए उनके गले में तख्तियां टांगी हैं। जिसमें डॉक्टर को भगवान तुल्य बताकर उनका सम्मान करने की बात लिखी है। उसके अलावा कलकत्ता रेप कांड के दोषियों को सजा देने, बलात्कारि को एक माह में फांसी देने और बहू बेटियों का सम्मान करने और हे गणपति जी हमें न्याय दिलाने की बात लिखी गई है। यह सब पंडाल के बाहर लगाया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक झांकी बनाने का सन्देश पहुंच सके। पंडाल के अंदर भगवान गणेश की प्रतिमा है और बाहर यह पुतले खड़े हैं जो कलकत्ता के घटनाक्रम पर आपस में चर्चा कर रहे हैं। यह झांकी युवा समाजसेवी एवं भाजपा नेता हरी रजक और उनके साथियों के द्वारा सजाई गई है।हरि रजक ने बताया कि कलकत्ता में डाक्टर महिला के साथ हुई घटना के दोषियों को सजा जरूर मिलनी चाहिए और इसी थीम पर यह झांकी सजाई गई है। जिसमें डाक्टर के लिए इंसाफ मांगा गया है। हरि रजक के अलावा झांकी में देने वालों में राकेश

रजक, कृष्ण कुमार खरे, आलोक मुखरैया, शिवेंद्र तिवारी, भरत यादव,आलोक चौबे, सत्यम यादव, राहुल साहनी, विवेक, सत्यम, शुभम गुप्ता, दीपेश राठौर, राजा, सोनू सहित बडी संख्या में युवाओं का सहयोग रहा।

गणेश पंडाल में वृद्धाश्रम की झलक-शहर के सिविल वार्ड नंबर 10 खजरी मोहल्ला में श्री गजानन गणेश उत्सव समिति द्वारा विराजमान की गई भगवान श्रीगणेश की झांकी इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह झांकी वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को लेकर बनाई गई है। समिति के अध्यक्ष दमन मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में देखा जा रहा है कि बेटा-बेटी होने के बावजूद भी उनके बुजुर्ग माता-पिता वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर हैं। यह स्थिति समाज के लिए घातक हैं। नरेंद्र रजक ने बताया कि झांकी के माध्यम से संदेश देना चाहते हैं कि अपने माता-पिता की सेवा भगवान की सेवा से बढ़कर है। इसलिए उन्हें कभी दुख मत दो।

हमने अपना वादा निभाया, श्रद्धालुओं की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुईः मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी

पुष्पांजली टुडे

दमोह /जबेरा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तीर्थ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि आज बहुत ही प्रसन्नता का दिन है श्रद्धालुओं की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने जा रही है। श्रद्धालुओं की मांग थी कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेन अयोध्या के लिए चलाई जाए। यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी अयोध्या दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को भेजने का वादा किया था जो आज पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेन उज्जैन से तीर्थयात्रियों को लेकर अयोध्या और काशी (वाराणसी) के लिए रवाना हो रही है। इस अवसर पर मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को भी धन्यवाद दिया एवं सभी श्रद्धालुओं को सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के लिये निगमायुक्त ने की कार्ययोजना तैयार

ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होने जा रहा है। इस आयोजन में आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने बालभवन में आयोजित बैठक में स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आयोजनों के बारे में बताया। साथ ही सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को लेकर बाल भवन में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होने वाली एक्टिविटीयो के बारे में सभी अधिकारियों को जानकारी दी। साथ ही इन आयोजनों को वृहदस्तर पर मनाया जाए इसकी रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही वार्डस्तर पर सफाई व्यवस्था में अधिकारियों को आ रही समस्याओं का निराकरण भी तत्काल नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव के द्वारा किया गया।

संपादकीय

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर नियंत्रण हटाना एक बड़ा छलावा

भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है। सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए, और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए। हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है।

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर से नियंत्रण हटाना स्थानीय खुदरा बाजार की कीमतों को वैश्विक मूल्य प्रवृत्तियों से जोड़ने के किसी ईमानदार उद्देश्य से ज्यादा आम जनता और सीधे-साधे उपभोक्ताओं को धोखा देना है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें अक्सर तेजी से बढ़ जाती हैं, परन्तु जब वैश्विक बाजार में कीमतें घटती हैं तब भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतें तेजी से नहीं घटतीं।

सबसे पहले 2010 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल की खुदरा कीमतों पर और उसके बाद 2015 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा डीजल की कीमतों पर से नियंत्रण हटाया गया। देश लगभग 87 प्रतिशत आयातित खनिज तेल पर निर्भर है। आयात की कीमतों में गिरावट आने पर भी खुदरा तेल की कीमतें शायद ही कभी कम होती हैं, यहां तक कि काफी लंबे समय तक भी नहीं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व और शुल्क का सबसे बड़ा स्रोत हैं। यहीं पर समस्या है।

बहुत ही सावधानी से पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है। जून 2022 के मध्य से, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मासिक औसत कीमत में काफी गिरावट आई है - अपने चरम पर 116 डॉलर प्रति बैरल से अब 76.8 डॉलर प्रति बैरल तक। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है। न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है।

इसके बजाय, तेल कंपनियां उच्च लाभ कमा रही हैं। सरकार का कर राजस्व भी अप्रभावित रहा है। व्यवहार में, बहुप्रचारित तेल मूल्य नियंत्रण एक बड़ा दिखावा प्रतीत होता है। अक्सर तेल और रसोई गैस की खुदरा कीमतें वैश्विक कीमतों या कच्चे तेल की आयात लागत के साथ उनके अपेक्षित प्राकृतिक जुड़ाव की तुलना में केंद्र और राज्यों में चुनावों से अधिक जुड़ी होती हैं।

आधिकारिक तौर पर, सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन संगठन पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, 2013 से 2018 के बीच पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत लें। जनवरी 2013 में यह 110 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मार्च 2018 में कीमत घटकर 64 अमेरिकी डॉलर रह गई। इस बीच, जनवरी 2016 में कीमत घटकर 28 डॉलर रह गई थी। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इन पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई थी, भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत वास्तव में आठ प्रतिशत और डीजल की खुदरा कीमत में 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।

हिंदी है गुणों की खान

बहुत हो चुका गुणगान
हिंदी है सब से महान
हिंदी महारानी है,देवभाषा है
देश-विदेश में है इसका पसारा
यह गुणों की खान है
लिपि इसकी सबसे उम्दा
छल-कपट,ईर्ष्या-द्वेष से कोसों दूर
कथनी-करनी में नहीं अंतर
जैसी बोली जाती,वैसे लिखी जाती
परंतु लज्जानत हैं हम
क्यों नहीं दिला पाये बहत्तर वर्ष पश्चात
भी हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा
जो होती है स्वतंत्र राष्ट्र की पहचान
परंतु कहाँ दिला पाए हम
हिंदी भाषा को मां के रूप में सम्मान
तनिक विचार करें
किया क्या है हमने आज तक
हिंदी पखवाड़ा मनाने, पुरस्कार वितरित करने
व काव्य-गोष्ठियां आयोजित करने के सिवाय
आवश्यकता है...मस्तिष्क के बंद दरवाजे खोलें
उदार-हृदय से अपनी मातृभाषा को अपनाएं
यह समझें और हृदय से स्वीकारें...
हिंदी हमारी माँ है, जो हमें करती सुसंस्कारित
जन-मानस को करती है ऊर्जस्वित-आलोकित
यह है सभी बोलियों व उपभाषाओं की जननी
आओ !अपनी माँ का करें वंदन व आराधन
उसके त्याग को जानें, अस्मिता को पहचानें
और करें उसका श्रृंगार
मां के प्रति कैसा राग-द्वेष व ईर्ष्या-भाव
उसके प्यार को जानें-पहचानें
उदार हृदय से स्वीकारें
हिंदी संस्कारों की भाषा है
हमारी अस्मिता है, पहचान है
हिंद के माथे की बिंदी है
विश्व में सर्वाधिक बोली जाती है
उसकी अहमियत को मानें
जिसने रखा है सबका मान-सम्मान
देशी ही नहीं,विदेशी भाषाओं के
शब्दों को किया है सहर्ष आत्मसात
यह है 'अतिथि देवो भव'का प्रमाण

तनिक सोचें-विचारें, चिंतन-मनन करें
बच्चों को हिंदी की उपादेयता से अवगत कराएं
हिंदी में शिक्षा दिलाएं, गौरवान्वित अनुभव करें
हिंदी हैं हम...हिंदी है पहचान हमारी
यही होगी हमारी हिंदी के प्रति सच्ची श्रद्धा
साधना, सद्भावना, उपासना व प्रतिबद्धता
हिंदी सबको लेकर चलती साथ
करें इसका वंदन, अभिनंदन, व अभिवादन
और राष्ट्रभाषा व विश्वभाषा के रूप में
मान्यता दिला कर करें दायित्व-वहन

डॉ. मुक्ता,
माननीय राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत।

स्मृति शेष : वामपंथियों के अटल बिहारी जैसे थे येचुरी

@ राकेश अचल
*****

जाना सभी को है, लेकिन जिस दौर में कामरेड सीताराम येचुरी गए हैं वो सबसे कठिन दौर है और इस दौर में कामरेड सीताराम येचुरी की बहुत जरूरत थी। सीताराम येचुरी का जाना फिलाहल एक बड़ा शून्य पैदा कर गया है, जिसे भरने में कुछ वक्त तो लगेगा ही।

मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक थे सीताराम येचुरी। सीताराम से पहली राम-राम कब हुई मुझे याद नहीं, लेकिन वे जब भी ग्वालियर आये ऐसे मिले जैसे बरसों से बिछुड़े हुए हों। सहज, सरल, सौम्य सीतारम येचुरी से मिलना सुखानुभूति से भर देता था। वे भयंकर अध्येता थे और भाषण देते-देते उनके भीतर का आक्रोश कब उनकी मोटी नाक पर झलकने लगता था उनकी उत्तेजना में भी सौम्यता टपकती थी।

कोई माने या न माने लेकिन मुझे वे वामपंथियों के अटल बिहारी बाजपेयी लगते थे। उनकी सभी दलों के नेताओं से दोस्ती थी, जिनसे दोस्ती नहीं थी उनसे भी उनका संवाद था, लेकिन वे अपनी विचारधारा पर हिमालय की तरह डटे रहने वाले कम्युनिष्ट थे। मै तमाम कम्युनिष्ट नेताओं से मिला हूँ। पुरानी पीढ़ी के कामरेड वी टी रणदिवे और कामरेड हरिकिशन सिंह सुरजीत से भी मै मिला हूँ। उनके साथ लम्बी गपशप की है, लेकिन सीतारम येचुरी इस कड़ी में सबसे अलग कामरेड थे। कोई आधी सदी तक उन्होंने अपनी पार्टी के माध्यम से देश की सेवा की, और जमकर की।

मुझे याद आता है इमरजेंसी का वो दौर जब सीताराम येचुरी माकपा के मंच पर एक युवा नेता के रूप में उभरे थे। आपाताकाल में वे जेल गए और उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के सामने निंदा पत्र पढ़ा था। अब न इंदिरा गांधी जैसा कोई प्रधानमंत्री हो सकता है और न सीताराम जैसा कोई युवा नेता। कम्युनिस्ट रहने के बावजूद सीताराम येचुरी सिद्धांतवादी रहे लेकिन उन्होंने कभी भी हठधर्मी नहीं नहीं दिखाई

उन्होंने 2015 से पार्टी की अगुवाई कर रहे थे। मुझे याद आता है कि सीताराम 1992 से पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य थे। कम्युनिस्ट होते हुए भी वो एक मध्यमार्गी नेता की तरह थे जिन्हें थोड़ा उदारवादी और बीच का रास्ता अपनाने वाला माना जाता था।

सीताराम ने अपनी पार्टी का नेतृव उस समय सम्हाला था जब पूरे देश में माकपा का सूरज ढल रहा था, लेकिन वे निराश नहीं थे। मै जब भी उनसे मिला वे कहते थे कि "सिर्फ पार्टी के सामने ही नहीं बल्कि देश के सामने भी बड़ी चुनौतियां हैं। हाल के दिनों में जो हमारी हार हुई है उसके सुधारने के लिए हमें जनाधार सुधारने की जरूरत है।" जब वे पहली बार पार्टी के मुखिया बने तब उन्होंने कहा था कि "हमें पार्टी को स्वतंत्र रूप से और मजबूत करना होगा यहीं हमारी प्राथमिकता होगी। हमें इसके आधार पर जनआंदोलन छेड़ते हुए जनता के साथ जुड़ाव को और मजबूत करना है।' सीताराम येचुरी राजनीति में गठबंधन के धर्म और उसकी जरूरत को समझते थे। वे अक्सर कहते थे कि "देश के अलग-अलग प्रांतों में हालात समान नहीं हैं ना ही मुद्दे समान हैं। इसीलिए अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग गठबंधन की गुंजाइश है। उन्होंने इस दिशा में कोशिश भी की।"

सीताराम येचुरी जमीन की हकीकत से वाकिफ थे, उन्हें अपनी पार्टी की ताकत का भी अहसास था। उन्होंने कहा था की 2024 के चुनावों में हमारा पहला लक्ष्य है कि आरएसएस और भाजपा की सत्ता को हटाना है हम समझते हैं देश की जनता और एकता और अखंडता के लिए ये अनिवार्य है। यही बात इन्होने 2019 के आम चुनावों से पहले भी दोहराई थी, लेकिन इत्तफाक देखिये कि दोनों ही आम चुनावों में उनका सपना पूरा नहीं हो पाया, लेकिन वे विपक्ष की मजबूती से खुश भी थे और उत्साहित भी थे।

मुझसे उम्र में कोई सात साल बड़े कामरेड सीताराम एचडी से मेरी मुलाकात एक पत्रकार के रूप में दर्जनों बार हुई। वे जब भी ग्वालियर आते थे, तब शायद ही कोई ऐसा अवसर रहा हो जब मै उनसे न मिला हूँ। माकपा के हमारे पुराने साथी कामरेड शैलेन्द्र शैली और बदल सरोज ने उन्हें न जाने कितनी बार ग्वालियर बुलाया। वे हर संघर्ष में ग्वालियर के साथ रहे। जैसा कि मैंने कहा कि सीताराम येचुरी से मिलना अपने किसी सखा से मिलने जैसा था। वे बातचीत में कभी ये महसूस ही नहीं होने देते की वे एक बड़े नेता है। उनका पहनावा, उनका खानपान एक दम सहज था। अक्सर ऐसा लगता की सीताराम येचुरी बोलते रहें और हम सुनते रहे। उनकी हिंदी का उच्चारण बड़ा मीठा था हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं थी, लेकिन उन्होंने हिंदी को कभी अपने सम्पर्कों में अवरोध नहीं बनने दिया। वे देश के राजनितिक मंचों पर सभी के साथ खड़े नजर आते थे। विपक्षी एकता के लिए उनकी कोशिशें अविस्मरणीय मानी जायेंगीं। इस कोशिश में यदाकदा उन्हें अपनी पार्टी में असहमतियों का समाना करना पड़ा होगा लेकिन वे रुके नहीं। थके नहीं। दिल्ली में दो सीतारमण को जानता था। दोनों ही जेएनयू के थे। एक सीतराम बिहारी थे और एक तमिलनाडु के। कामरेड सीताराम येचुरी जल्दी चले गये। अभी उनके जाने की उम्र नहीं थी, लेकिन उन्हें जाना था। वे अपने साथ यश, कीर्ति के अलावा कुछ नहीं ले गये। अपनी देह भी नहीं। उनकी इच्छा के अनुसार इनकी पार्थिव देह भी एम्स के छात्रों के शोध अध्ययन के लिए समर्पित कर दी गयी। वैसे भी उनके पास अपना कुछ था भी नहीं। उनका छोटा और सुखी परिवार जरूर था। लेकिन कोरोना ने उनके इस सुख को छीन लिया था। कोरोना से सीताराम येचुरी के बड़े बेटे आशीष का निधन हो गया था, वह महज 35 साल के थे। दीगर नेताओं की तरह उनका परिवार कभी उनके आगे -पीछे नजर नहीं आता था। सब अपने-अपने काम में व्यस्त रहते थे। कामरेड सीताराम येचुरी केवल एक राजनेता ही नहीं थे बल्कि वह अर्थशास्त्री, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और लेखक भी थे। वह विभिन्न अखबारों को लगातार कॉलम लिखते रहे। राजनीति में भी उनकी राय को अहम माना जाता है। उन्होंने कई किताबें लिखी है, इसमें ह्ययह हिन्दू राष्ट्र क्या हैह्न, घृणा की राजनीतिह्न, ह्न21वीं सदी का समाजवादह्न जैसी किताबें अहम मानी जा रही है। मेरी स्मृतियों में वे लमबे समय तक रहने वाले है। **विनम्र श्रृद्धांजलि।**

हम हिंदी के प्रकाश-पुंज को आलोकित करें

14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्यों कि इसी दिन यानी कि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। वास्तव में सितंबर का महीना विशेष रूप से हिंदी को समर्पित है और इस महीने में हम सभी हिंदी में अधिकाधिक सरकारी कामकाज करने का संकल्प भी लेते हैं। हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा के दौरान देश के प्रत्येक केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी पर अनेक प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों का आयोजन किया जाता है और पुरस्कार भी बांटे जाते हैं। हम न केवल सरकारी कामकाज करने में बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लेते हैं ,लेकिन यहां यह विचार करने की आवश्यकता है कि आखिर क्या कारण हैं कि एक हिंदी बाहुल्य वाले देश में हमें हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए दिवस मनाना पड़ रहा है और इसके अधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए पुरस्कार तक बांटने पड़ रहे हैं। वास्तव में यदि हमें हिंदी भाषा का विकास करना है तो हमें संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी भारतीय भाषाओं को एक साथ लेकर चलना होगा। हिंदी को सभी भारतीय भाषाओं से शब्द अपने में समाहित करने होंगे तभी इसका शब्दकोश और अधिक व्यापक बन सकेगा। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अनुच्छेद 351 'भारत के संविधान का एक अनुच्छेद है। यह संविधान के भाग 17 में शामिल है और संघ की राजभाषा के विशेष निदेश का वर्णन करता है। यह अनुच्छेद हिंदी भाषा के प्रसार और विकास को सुनिश्चित करता है और साथ ही इस उद्देश्य हेतु संघ या राष्ट्रीय सरकार के कर्तव्यों को भी व्याख्यायित करता है। इस अनुच्छेद में यह कहा गया है कि संघ को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदी भारत के विविध सांस्कृतिक तत्वों के लिए अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। इसमें हिंदी की विशिष्ट विशेषताओं हिंदुस्तानी जैसी अन्य भारतीय भाषाओं और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट भाषाओं में उपयोग किए जाने वाले रूपों, शैली और अभिव्यक्तियों को बदले बिना आत्मसात करने का निर्देश दिया गया है। इस अनुच्छेद में यह भी वर्णित है कि संघ को संस्कृत पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ-साथ जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ अन्य भाषाओं की शब्दावली का उपयोग करके हिंदी को समृद्ध करने का प्रयास करना चाहिए।' दरअसल, आज अंग्रेजी भाषा को ही हम अधिक महत्व दे रहे हैं, क्यों कि एक आम सोच यह विकसित हो चुकी है कि अंग्रेजी के बिना कोई भी काम नहीं चल सकता है, जबकि यह सोच बहुत ही तुच्छ और गलत है। भाषा कोई भी हो,कभी अच्छी व बुरी नहीं होती है। सभी भाषाएं अपने आप में अच्छी हैं और उनका अपना शब्दकोश व व्याकरण है। हिंदी का अपना एक व्यापक शब्दकोश है और एक-एक भाव को व्यक्त करने के लिए सैकड़ों शब्द हैं। हिन्दी लिखने के लिये प्रयुक्त देवनागरी लिपि अत्यन्त वैज्ञानिक है। हिंदी को संस्कृत शब्द संपदा एवं नवीन शब्द-रचना-सामर्थ्य विरासत में मिली है। यह भी एक तथ्य है कि देशी भाषाओं एवं अपनी बोलियों आदि से शब्द लेने में संकोच नहीं करती। अंग्रेजी के मूल शब्द लगभग 10,000 हैं, जबकि हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या ढाई लाख से भी अधिक है। एक आंकड़े के अनुसार आज हिन्दी बोलने एवं समझने वाली जनता पचास करोड़ से भी अधिक है। इतना ही नहीं, हिंदी दुनिया की दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और इसका साहित्य सभी दृष्टियों से समृद्ध है। हिन्दी आम जनता से जुड़ी भाषा है तथा आम जनता हिन्दी से जुड़ी हुई है। हिंदी भारत के स्वतंत्रता-संग्राम की वाहिका और वर्तमान में देशप्रेम का अमूर्त-वाहन है। यह भारत की सम्पर्क भाषा है। हिंदी आज पत्रकारिता, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंजीनियरिंग, मेडिकल, साइंस, स्पेस समेत अनेक क्षेत्रों की भाषा है और कोई क्षेत्र ऐसा बचा नहीं है जहां हिंदी का प्रयोग नहीं हो रहा है। यह बहुत ही सरल,सहज व वैज्ञानिक दृष्टिकोण लिए हुए बहुत ही शानदार व सशक्त भाषा है। जानकारी मिलती है कि आज इसमें(हिंदी भाषा में) लगभग 1.5 लाख शब्द हैं और अध्ययन की सभी शाखाओं के तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं, जो कि काफी अच्छी संख्या है। कहना गलत नहीं होगा कि आज विज्ञान और मानविकी की सभी शाखाओं को सम्मिलित करने पर हिंदी का एक व्यापक शब्द-भंडार बनता है। हम अंग्रेजी सीखें, विश्व की अन्य कोई भी भाषाएं सीखें, पढ़ें, लिखें और बोलें लेकिन अपनी स्वभाषा को कभी भी नहीं छोड़ें, क्यों कि जो बात हम अपनी स्वयं की भाषा में सहजता से किसी दूसरे तक पहुंचा सकते हैं, वह किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी हमारे देश की संस्कृति, हमारी सभ्यता, हमारी अखंडता, हमारी अनेकता में एकता की अनूठी पहचान है। जानकारी देना चाहूंगा कि भारतवर्ष के संविधान के भाग-5 के अनुच्छेद 120, भाग-6 के अनुच्छेद 210 एवं संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 में राजभाषा हिंदी संबंधी प्रावधान किए गए हैं।

वैश्विक क्षितिज पर हिन्दी का परचम

- अरविंद जयतिलक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

किसी भी राष्ट्र की जीवंतता और पहचान उसकी भाषा और संस्कृति है। इसके बिना राष्ट्र रुपी शरीर का अस्तित्व, चिंतन और दर्शन सभी कुछ बेमानी है। राष्ट्र के नागरिक निज भाषा से संस्कारित होकर ही अपने मूल्यों, विचारों, आदर्शों और प्रतिमानों को जीते हैं। कहा भी जाता है कि राष्ट्र के विचारों को गढ़ने-बुनने, संजोने-संवारने और उसे प्राणवान बनाने में भाषा की अहम भूमिका होती है। हिन्दी भाषा उन्हीं भाषाओं में से एक है जो भारत की कालजयी सभ्यता-संस्कृति, आचार-विचार, विज्ञान-दर्शन और इतिहास को आलोकित-प्रकाशित करती है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जहां एक ओर भाषाएं दम तोड़ रही हैं वहीं हिन्दी भाषा अपनी स्वीकार्यता और प्रासंगिकता का लोहा मनवा रही है। आज समूचे विश्व में हिन्दी भाषा की गूंज है। विश्व के अधिकांश देशों में हिन्दी भाषा का सम्मान बढ़ रहा है। नतीजा, आज हिन्दी भाषा न सिर्फ भारत राष्ट्र की भाषा भर है बल्कि समूचे विश्व के लोगों के सांस्कृतिक जुड़ाव, विचारों के आदान-प्रदान और विकास का जरिया बन रही है। आंकडों के लिहाज से देखें तो दुनिया भर में तकरीबन 61.5 करोड़ लोग हिन्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इथोनोलॉज के आंकड़ों के मुताबिक अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 113 करोड़ और चीनी भाषा मंडारिन की संख्या 112 करोड़ है। लेकिन जिस गति से हिन्दी भाषा की स्वीकार्यता व लोकप्रियता आसमान छू रही है उससे साफ है कि आने वाले दिनों में हिन्दी भाषा अंग्रेजी और मंडारिन भाषा को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर विराजमान हो जाएगी। वैश्विक स्तर पर यूजर्स के लिहाज से 1952 में हिन्दी भाषा पांचवे पायदान पर थी जो 1980 के दशक में चीनी और अंग्रेजी भाषा के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गयी। लेकिन विगत दशकों में विकासशील भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक आर्थिक-व्यापारिक आकर्षण ने सभी के लिए हिन्दी भाषा को बोलने-समझने की अनिवार्यता सुनिश्चित कर दी। गौर करें तो एक भाषा के तौर पर हिन्दी का जितना अधिक अंतर्राष्ट्रीय विकास हुआ है, विश्व में शायद ही किसी अन्य भाषा का उतना हुआ हो। वे सभी संस्थाएं, सरकारी मशीनरी और छोटे-बड़े समूह बधाई के पात्र हैं जिन्होंने हिन्दी को इस ऊंचाई पर पहुंचाया है। 1999 में मशीन ट्रांसलेशन शिखर बैठक में टोकियो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर होजुमि तनाका द्वारा पेश नए भाषायी आंकड़ों के मुताबिक अब चीनी भाषा के बाद हिन्दी का स्थान है। यानि अंग्रेजी भाषा पीछे छूट गयी है। गौर करें तो आज दुनिया के तकरीबन 40 से अधिक देशों के 600 से अधिक विश्वविद्यालयों और स्कूलों में हिन्दी की पढ़ाई हो रही है। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका में हिन्दी की धूम मची है। यहां 30 से अधिक विश्वविद्यालयों में भाषायी पाठ्यक्रम में हिन्दी को महत्वपूर्ण दर्जा हासिल है। अमेरिका के अलावा यूरोपिय देशों में भी हिन्दी का तेजी से विकास हो रहा है। इंग्लैण्ड के लंदन, कैम्ब्रिज और यार्क विश्वविद्यालयों में हिन्दी को चाहने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। जर्मनी के हीडलबर्ग, लोअर सेक्सोनी के लाइपजिंग, बर्लिन के हम्बोलडिट और बॉन विश्वविद्यालय में भी हिन्दी भाषा को पाठ्यक्रम के रुप में शामिल किया गया है। एक दशक से रुस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य पर शोध हो रहे हैं। यहां हिंदी का बोलबाला बढ़ा है। हिन्दी का जलवा सिर्फ जर्मनी ही नहीं बल्कि रुस में भी कायम है। विगत दशकों में अनेक रुसी विद्वानों ने हिंदी साहित्य का अनुवाद किया है। इनमें से एक तुलसीकृत रामचरित मानस भी है जिसका अनुवाद प्रसिद्ध विद्वान वारान्निकोव द्वारा किया गया है। मॉस्को राजकीय विश्वविद्यालय और कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में एक अलग पूर्वी भाषाओं के विभाग को बनाया गया है जहां पर हिन्दी की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। रुसी कवियों ने सबसे पहले जिस भारतीय कवि की रचनाओं का अनुवाद किया, वे कालिदास हैं। प्रसिद्ध रुसी कवि अलेक्सान्दर पूश्किन के पूर्ववर्ती कवि वसीली झुकोवस्की ने सबसे पहले कालिदास की रचना ह्यनल और दमयंतीह्न का रुसी भाषा में अनुवाद किया। उनके बाद कालिदास की रचना ह्यशकुंतलाह्न का अनुवाद कंस्तांतिन बालमंत ने किया। हिन्दी की बढ़ती लोकप्रियता का ही आलम है कि वेस्टइंडीज के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी पीठ की स्थापना की गयी है। एशियाई देश जापान में हिन्दी भाषा का बहुत अधिक सम्मान है। प्रोफेसर दोई ने टोकियो विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना की है। रुस की तरह जापान में भी हिन्दी साहित्य का अनुवाद हुआ है। प्रोफेसर तोबियोतनाका ने भीष्म साहनी के उपन्यास ह्यतमसह्न का जापानी भाषा में अनुवाद किया है। प्रोफेसर कोगा ने ह्यजापानी-हिन्दी कोषह्न की रचना की है। उन्होंने गांधी जी की आत्मकथा का भी जापानी में अनुवाद किया है। प्रोफेसर मोजोकामी हर वर्ष हिन्दी का एक नाटक तैयार करते हैं और उसका मंचन भारत में करते हैं। गुयाना और मॉरिशस में भी हिन्दी भाषा को लेकर जबरदस्त उत्साह है। दरअसल यहां भारतीय मूल के लोगों की संख्या सर्वाधिक है। यहां प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक स्तर पर हिन्दी के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था है। मॉरिशस में अंग्रेजी राजभाषा है। फ्रेंच बोलने वालों की तादाद भी बहुत अच्छी है। लेकिन हिन्दी की लोकप्रियता में तनिक भी कमी नहीं है। यहां बहुत पहले हिन्दी सचिवालय की स्थापना हो चुकी है। आज ढेरों हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है।

मॉरिशस में भारतीय मूल के लोगों की जनसंख्या कुल आबादी की आधे से अधिक है। लिहाजा यहां हिन्दी का एक सशक्त भाषा के रुप में स्थापित होना लाजिमी है। यहां हिन्दी भाषा में खूब पत्र-पत्रिकाओं तथा साहित्य का प्रकाशन हो रहा है। मॉरिशस की तरह फिजी, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका में भी हिन्दी का जलवा कायम है। फिजी में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा हिन्दी है। इसे फिजियन हिन्दी या फिजियन हिन्दुस्तानी भी कहते हैं। यह फिजी की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। नेपाल में भी हिन्दी बोलने व समझने वाले लोगों की तादाद अच्छी है। नेपाल में भारतीय टेलिविजन और सिनेमा अति लोकप्रिय है जिसके कारण हिन्दी बोलने-समझने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। इसी तरह खाड़ी देशों में भी हिन्दी का तेजी से प्रचार-प्रसार हर रहा है। यहां के सोशल मीडिया में भी हिन्दी का दखल बढ़ा है। आज कई पत्र-पत्रिकाओं को ऑनलाइन पढ़ा जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में हिन्दी एफएम चैनल लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। नए-पुराने हिन्दी गीतों को चाव से सुना जा रहा है। हिन्दी फिल्मों ने भी यहां धूम मचा रखी है। पिछले कुछ वर्षों से दुबई में लगातार हिन्दी कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है जो अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

हिन्दी भाषा की यह असाधारण उपलब्धि कही जाएगी कि जिन देशों में भाषा को विचारों की पोषाक और राष्ट्र का जीवन समझा जाता है वहां भी हिन्दी तेजी से अपना पांव पसार रही है। हंगरी, बुल्गारिया, रोमानिया स्विटजरलैंड, स्वीडन, फ्रांस, नार्वे, जापान, इटली, मिस्त्र, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कतर और अफगानिस्तान, रुस और जर्मनी अपनी भाषा को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। वे इसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इन दशों में हिन्दी को भरपूर स्नेह और सम्मान मिल रहा है। यह हिन्दी भाषा के लिए बड़ी उपलब्धि है। आज दुनिया का कोई ऐसा कोना नहीं जहां भारतीयों की उपस्थिति न हो और वहां हिन्दी का तेजी विस्तार न हो रहा हो। एक आंकड़ें के मुताबिक दुनिया भर में ढ़ाई करोड़ से अधिक अप्रवासी भारतीय 160 से अधिक देशों में रहते हैं। यह सुखद है कि वह अपनी भाषा व संस्कृति से जुड़े हैं और हिन्दी के फैलाव में योगदान कर रहे हैं। गौर करें तो बहुराष्ट्रीय देशों की कंपनियां भी अपने-अपने देशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारों पर दबाव बना रही हैं। दरअसल उनका मकसद हिन्दी के जरिए एशियाई देशों में अपनी व्यपारिक गतिविधियों को बढ़ाना है। यह स्वीकारने में हिचक नहीं कि बाजार ने भी हिन्दी की स्वीकार्यता को नई उंचाई दी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की चमक प्रमाणित करती है कि संसार में उसकी प्रतिष्ठा और उपादेयता बढ़ी है। वह तेजी से वैश्विक भाषा बन रही है।

घरेलू एवं छोटी मूर्तियों का विसर्जन कहां होगा चलित कुड कहॉ रहेंगे, नगर निगम नहीं बता रहा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। आगामी 17 सितम्बर को श्री गणेश मूर्तियों का अंतः चतुर्दशी के अवसर पर विसर्जन किया जायेगा। समूचे नगर में दो हजार से भी ज्यादा घरो में श्री गणेश जी की स्थापना की गई है। गत वर्ष नगर निगम द्वारा चलित विसर्जन कुॅडों की व्यवस्था की गई थी जिसके खड़े होने का स्थान पूर्व में ही घोषित किया गया था जिससे श्रद्धालुओ को अपनी मूतियॉ विसर्जन के लिये स्थल श्री विष्वकर्मा बाबा घाट बड़ी पुल एवं व्यंकट भवन के सेल्फी प्वाइंट के सामने विसर्जन कुॅड बनाने का प्रस्ताव हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार ने दिया था। जिसका सभी ने समर्थन भी किया था लेकिन आज तलक

जिला एवं नगर निगम प्रशासन द्वारा घोषणा नही की गई है जिसके कारण श्री गणेश मूतियॉ विसर्जन करने के लिये श्रद्धालुओं को यहॉ-वहॉ भटकने को मजबूर होना पड़ेगा। नगर निगम आयुक्त से जानकारी प्रसारित कराने धर्मपरिवर के संस्थापक-संरक्षक नारायण डिगवानी ने मॉग की है। धर्मपरिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने जिला प्रशासन को सचेत करते हुये कहा कि नगर वासियों की सुविधा के लिये परम्परागत तौर तरीको का पालन करने से सबको भटकने से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक ढंग से श्री गणेश मूर्तियों का विसर्जन करने की सुविधा देना अति आवश्यक है। बड़ी मूर्तियो के लिये अभी तक स्थल निर्धारित है। धर्मपरिवार के युवा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी ने नगर निगम आयुक्त से तत्काल कार्यवाही करते हुये श्रद्धालू नगर वासियो को श्री गणेश मूर्ति विर्जन हेतु चलित कुॅडो की व्यवस्था का खुलासा करने का आग्रह किया है। आज हालात यह है कि घरेलू एवं छोटी मूर्तियो के विसर्जन की अगर सही व्यवस्था नही होगी तो सभी श्रद्धालुओ को यत्र-तत्र-सर्वत्र अपनी मूतियों का विसर्जन करने से कोई नही रोक पायेगा। ऐसी अव्यवस्था ना पैदा हो इसलिये विसर्जन स्थलो की जानकारी प्रसारित होनी चाहिये।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र का किया निरीक्षण

दिव्यांग उत्कर्ष मिश्रा को प्रदान की बैटरी युक्त ट्राई साइकिल, उत्कर्ष का दिल्ली में होगा इलाज

रीवा। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग उत्कर्ष मिश्रा को बैटरी युक्त ट्राई साइकिल प्रदान की तथा कहा कि उत्कर्ष का इलाज दिल्ली स्पाइन इंजुरी सेंटर में कराया जायेगा और इसमें आने वाले खर्च का वहन सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री ने जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र के कृत्रिम अंग निर्माण कक्ष, फिजियो थैरेपी यूनिट एवं ऑडियोलॉजिस्ट कक्ष का निरीक्षण किया एवं वहां संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री से पुर्नवास केन्द्र के लिए लंवित अनुदान राशि एवं उन्नयन विस्तारण की मांग की गयी। केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि रीवा से मेरा व्यक्तिगत संबंध है, रीवा मेरी कर्म स्थली रहा है मैं रेडक्रास सोसायटी, जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र के उन्नयन एवं सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण सहयोग करूंगा। उन्होंने आयुक्त नगर निगम को पुर्नवास केन्द्र में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, वाइस चेयरमैन ए.के. खान, सचिव डॉ. विनोद श्रीवास्तव सहित सुरेन्द्र सिंह, पीयूष मिश्रा, संजय शुक्ला, श्रीमती गीतम मिश्रा, श्रीमती वंदना पाण्डेय, गौरव गुप्ता, पंकज सिंह, गौरव सिंह, नीरज पाण्डेय, आशोक श्रीवास्तव एवं अतुल सोंधिया उपस्थित रहे।

अपना पैसा अपना जल की अवधारणा को साकार किया है पुरास गांव के रहवासियों ने

रीवा। विकासखण्ड रीवा के पुरास गांव में पानी की बहुत समस्या थी। इस गांव की पेयजल व्यवस्था हैंडपंप पर आधारित थी। भूमिगत जल स्तर कम हो जाने पर गांव में पानी की किल्लत होने लगती थी। जल जीवन मिशन की पेयजल योजना ने इस गांव की पानी की समस्या को दूर कर दिया है। जल जीवन मिशन के तहत बोर से एक लाख 25 हजार लीटर की उच्च स्तरीय टंकी को भरा जाने लगा और 30 हजार लीटर के संपवेल से जोड़कर पूरे गांव में घरेलू कनेक्शन देकर पेयजल का प्रदाय किया जाने लगा है। इस योजना का संचालन एवं संधारण ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। प्रति परिवार 60 प्रतिमाह व 200 रूपये सुरक्षा निधि लेकर राशि एकत्र की जा रही है। अब तक 18 हजार रूपये की राशि जलकर के रूप में एकत्र की जा चुकी है। इस गांव के लोगों ने अपना पैसा अपना जल की अवधारणा को साकार किया है। जिले की एकल गांव योजना को संचालित एवं संधारित कर पुरास के ग्राम वासियों ने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दूसरी पंचायतों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है जो मील का पत्थर साबित होगा।

रीवा की पुलिस भर्ती व्यवस्था पर ग्रहण लगा रही हैं यातायात डीएसपी रितु उपाध्याय

9वीं बटालियन के कमांडेन्ट ने डीएसपी यातायात प्रभारी रितू उपाध्याय के द्वारा किए गए कार्य पर लिखा पुलिस मुख्यालय को पत्र, तो क्या यातायात डीएसपी लगा रही है पुलिस भर्ती में ग्रहण, रीवा में वर्षों बाद हो रही है एस ए एफ ग्राउंड में पुलिस की भर्ती

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा के 9वी बटालियन एस ए एफ ग्राउंड में पुलिस भर्ती का आयोजन किया गया है जिसके प्रभारी रीवा डीआईजी साकेत पांडे हैं आपको बता दे कि बीती रात भर्ती व्यवस्था को लेकर एस ए एफ ग्राउंड में ट्रैक बनाने के लिए राखड का एक वाहन आ रहा था जिसे रीवा डीएसपी यातायात प्रभारी डा रितू उपाध्याय ने नो एंट्री और ओवर लोड बता कर रोक लिया और पुलिस लाइन में खड़ा करवा दिया गया। संबंधित मामले को गंभीरता से लेते हुए शासन की भर्ती व्यवस्था में ट्रैक के लिए जा रही राखड का 9 वी बटालियन कमांडेन्ट द्वारा यातायात डीएसपी व रीवा सीएसपी रितू उपाध्याय से बात की लेकिन कमांडेंट की बात नहीं सुनी और वाहन को जप्त कर लिया । सूत्रों की मानें तो डीआईजी रीवा की बात भी डीएसपी यातायात प्रभारी से हुई लेकिन उन्होंने मामले को अपना इसू बना लिया और वाहन को छोड़ने से इंकार कर दिया आखिर जिस भर्ती व्यवस्था के प्रभारी डीआईजी रीवा हों और उस व्यवस्था में व्यवधान मातहत अधिकारी करें यह समझ से परे है अगर मामले की मिली एक आडियो वायरल होगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। शहर में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं भारी वाहन-रीवा जिले में बहुत दिनों बाद पुलिस की भर्ती की जा रही है जिसके ट्रैक निर्माण के लिए वाहन जा रहा था उसे नियमों की दुहाई देकर डीएसपी यातायात द्वारा रोक लिया गया लेकिन शहर में सुबह से लेकर शाम तक खुलेआम भारी वाहन नो एंट्री की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं इस ओर इन अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता है और युवाओं के लिए शासन द्वारा वर्षों बाद भर्ती की व्यवस्था की गई उस व्यवस्था को यह डीएसपी अधिकारी सुरसा की तरह ग्रहण लगा रही है इतना ही नहीं नवमी बटालियन के कमांडेंट ने मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस मुख्यालय और पुलिस अधीक्षक रीवा को पत्र लिखकर इनके द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को उजागर भी किया है आपको बता दें कि जल्द ही यातायात डीएसपी प्रभारी के द्वारा किए गए कार्यवाही और नवमी बटालियन के कमांडेंट से हुई बात का होगा खुलासा।

मुरैना जिले के बरबाई गांव में बिस्मिल संग्रहालय का हाल चिंताजनक, आजादी के 77 साल बाद भी निर्माण अधूरा

देश को आजादी मिले 77 साल बीत चुके हैं, लेकिन मुरैना जिले के बरबाई गांव में स्थित रामप्रसाद बिस्मिल स्मारक और संग्रहालय का निर्माण अब तक अधूरा है। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक रामप्रसाद बिस्मिल की स्मृति में बनाए जा रहे इस संग्रहालय का निर्माण कार्य लंबे समय से रुका हुआ है, जिससे स्थानीय लोग और स्वतंत्रता सेनानी के प्रशंसक गहरी निराशा महसूस कर रहे हैं। स्मारक और संग्रहालय की आधारशिला कई साल पहले रखी गई थी, लेकिन उचित देखरेख और सरकारी अनदेखी के कारण यह अब भी निर्माणाधीन अवस्था में है। वर्तमान समय में यहां कोई कार्य प्रगति पर नहीं है, और स्मारक की अधूरी स्थिति उस संघर्ष को शर्मसार कर रही है, जिसके लिए बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी-बरबाई गाँव के निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से इस दिशा में कदम उठाने की गुहार लगाई है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्मारक की दुर्दशा को देखते हुए ग्रामीणों का कहना है कि यह न केवल रामप्रसाद बिस्मिल की विरासत का अपमान है, बल्कि भारत की आजादी के संघर्ष की स्मृति को भी धूमिल कर रहा है।

सरकारी अनदेखी का शिकार-हालांकि, मुरैना प्रशासन की तरफ से स्मारक के निर्माण को लेकर कई योजनाएं और घोषणाएं की गई थीं, लेकिन उन पर अमल न होने के कारण यह परियोजना अधर में लटकी हुई है। स्थानीय प्रशासन की उदासीनता और संसाधनों की कमी के कारण यह संग्रहालय आज भी अधूरा पड़ा है।

स्वतंत्रता संग्राम के नायकों की उपेक्षा-77 साल बाद भी स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसके वे हकदार हैं। बिस्मिल जैसे महान क्रांतिकारी जिन्होंने काकोरी कांड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उनके नाम पर बनाए जा रहे इस स्मारक का अधूरा रहना इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति देश की जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करता है।

नागरिकों की अपील-स्थानीय लोगों और स्वतंत्रता संग्राम के अनुयायियों ने सरकार से अपील की है कि जल्द से जल्द बिस्मिल स्मारक और संग्रहालय का निर्माण पूरा किया जाए। यह न केवल रामप्रसाद बिस्मिल को उचित श्रद्धांजलि होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके बलिदान को याद रखने का एक स्थायी प्रतीक भी बनेगा। जब तक इस स्मारक का काम पूरा नहीं होता, तब तक यह अधूरापन उन क्रांतिकारियों के सम्मान की कमी को दर्शाता रहेगा, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने स्नेह मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय का किया भ्रमण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने स्नेह शिक्षण एवं मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित स्नेह मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय का भ्रमण किया तथा विद्यार्थियों के उपयोग में आने वाली शिक्षण सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने संस्था में अध्ययनरत स्पेशल ओलंपिक के साइकिलिंग एवं टेबिल टेनिस नेशनल चैंपियन ओम साहू और विवेक कुशवाहा से बात की। डॉ. कुमार ने दिव्यांग छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनके शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि छात्रों के विकास में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित कर प्रमाण पत्र प्रदान किये जाय और अभिभावकों को वालेंटियर के रूप में कार्य करने का माध्यम बनाया जाय। उन्होंने संस्था द्वारा बच्चों के विकास में दिये गये योगदान की सराहना की। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री को दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने स्वयं से बनाये उत्पाद भेंट किये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा तिवारी, संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष रामसेवक साहू, प्राचार्य श्रीमती ऊषा साहू, सुनीता पाण्डेय, जीपी विश्वकर्मा सहित दिव्यांग छात्र-छात्रायें एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

अनिल कुमार अवस्थी और डिगेश्वर कुमार साहु हुए डॉ अब्दुल कलाम सम्मान से सम्मानित

राज्य के समस्त जिलों से उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों हेतु राज्य अलंकरण 2024 का इस बार बस्तर संभाग मे जगदलपुर मे 8 सितंबर अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस के शुभ अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। शिक्षा क्षेत्र, नवाचार, प्रकृति संरक्षण, विज्ञान प्रचार- प्रसार, स्वच्छता, स्वास्थ्य,

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2024

कला संस्कृति, समाज सेवा, महिला -सशक्तिकरण,,जन जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने वाले शिक्षकों का चयन उनके विशिष्ट प्रतिभा एवं उत्कृष्ट कार्य के आधार पर किया गया। उक्त संस्था द्वारा विगत कई वर्षों से शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री आर एस बघेल जिला शिक्षा अधिकारी जिला बस्तर, विशेष अतिथि श्री नीरज वर्मा जी साइंस एक्टिविस्ट इसरो, विशेष अतिथि श्रीमति रश्मि वर्मा आर के साइंस पार्क गोंदिया व अध्यक्षता श्री अभिषेक शुक्ला प्रकृति शिक्षक विज्ञान यात्रा ने की । कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सदस्यों के द्वारा सभी चयनित शिक्षकों के पाद प्रक्षालन कर महाआरती के साथ पुष्प वर्षा कर किया गया। मुख्य अतिथि बी.आर. बघेल ने अपने उद्बोधन मे कहा एक शिक्षक का सबसे ब?ा सम्मान वह है की अपने छात्र को शिखर तक पहुंचाने का कार्य करे, जो की आप जैसे शिक्षक कर रहे है और उन शिक्षकों का सम्मान इस मंच से किया जा रहा है, व चयनित शिक्षको को हार्दिक शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला प्रकृति शिक्षक विज्ञान यात्रा ने कहा इस प्रकार के आयोजन से विज्ञान शिक्षकों को विज्ञान के क्षेत्र में तथा अन्य शैक्षणिक क्षेत्र में काम करने हेतु अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने का हमारा लक्ष्य रहता है। संस्था के प्रतिवेदन वाचन में श्रीमति विद्या मती साहू के द्वारा संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संस्था के कार्य क्षेत्र का विवेचन किया 7 श्री लखन साहु ने बताया की प्रदेश के सभी जिलों से चयनित शिक्षको को राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान में 7 विभिन्न प्रकार के सम्मान व दो विशिष्ट सम्मान शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रदाय किया गया 7 जो कि निम्न है

1. डॉ. अब्दुल कलाम सम्मान, 2. शिक्षा रत्न सम्मान, 3. कर्मवीर सम्मान, 4. विवेकानंद सम्मान, 5. मदर टेरेसा सम्मान, 6. नागार्जुन सम्मान, 7. आर्यभट्ट सम्मान

सम्मान के क्रम में नयापारा राजिम से व्याख्याता श्री सागर शर्मा को स्वामी विवेकानंद सम्मान,समीक्षा गायकवाड़ को कर्मवीर सम्मान,गरियाबंद जिला से अनिल कुमार अवस्थी एवं डिगेश्वर कुमार साहु को डॉ अब्दुल कलाम सम्मान , दुष्यंत वर्मा को नागार्जुन सम्मान, श्री टेकराम साहू जिला गरियाबन्द को शिक्षा रत्न सम्मान, श्री दामोदर कश्यप को नागार्जुन सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसी क्रम मे कुल 70 शिक्षको का सम्मानित किया गया-सम्मान समारोह का कार्य 8 सितंबर को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर में बस्तर के प्राचार्य श्री खरे सर एवं समस्त स्टॉप का भरपुर सहयोग प्राप्त हुआ, दोपहर 1ः00 बजे से 4 बजे तक माननीय मंचासीन महानुभावों की उस्थिति मे यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ प्रत्येक शिक्षक वंदनीय है

क्यों बार-बार झूठ बोल रही हैं बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल

बॉयफ्रेंड को कैमरे से रखती हैं दूर

बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. शो जीतने के बाद सना मकबूल काफी बदली-बदली भी नजर आ रही हैं. खासतौर पर अपनी निजी जिंदगी को अब वो सभी से छिपाती हुई नजर आ रही हैं. बिग बॉस ओटीटी 3 जीतने के बाद सना ने सरेआम खुलकर कहा था कि वो अब बाहर जाते ही शादी करेंगी और अपनी लाइफ का नया चैप्टर ओपन करेंगी. लेकिन शो की ट्रॉफी हाथ आते ही सना के तो तेवर ही बदल गए, एक्ट्रेस अब अपने बॉयफ्रेंड बिजनेसमैन श्रीकांत बुरेड्डी के साथ तो होती हैं, लेकिन उन्हें कैमरे से छिपाकर रखती हैं.दरअसल हाल ही में अंकिता लोखंडे और विकी जैन ने अपने घर पर 'गणपति बप्पा' को स्थापति किया था. ऐसे में उन्होंने अपने सभी टीवी फ्रेंड्स को इनवाइट किया था. इस मौके पर निया शर्मा, अर्जुन बिजलानी, कश्मीरा शाह समेत कई टीवी एक्टर्स इस मौके पर शामिल हुए थे. वहीं अंकिता के घर पर बिग बॉस ओटीटी 2 की विनर सना मकबूल को भी देखा गया. सना ने बाकी सभी स्टार्स के साथ बप्पा की आरती भी की. लेकिन इस दौरान अंकिता लोखंडे सना के साथ आरती करने के लिए जिसे बुलाती नजर आई, वो कोई और नहीं बल्कि श्रीकांत बुरेड्डी थे. श्रीकांत कैमरों से दूर खड़े थे. वो कैमरे के सामने अब सना के पास आने से बचते हैं. अंकिता के बुलाने पर भी वो आगे आरती के लिए नहीं आए.

श्रीकांत को कैमरों से दूर रखती हैं सना

इतना ही नहीं एक वीडियो वायरल हुआ था, जहां सना श्रीकांत के साथ बप्पा की आरती कर रही थीं और जैसे ही उनकी कैमरे पर पड़ी उन्होंने उसे तुरंत बंद करने को कहा था. इसके अलाना बप्पा के दर्शन के लिए बीते दिनों सना कई सितारें के घर पहुंची. बिग बॉस ओटीटी 1 की विनर दिव्या अग्रवाल के यहां भी वो पहुंची थी. लेकिन यहां भी वो अकेली नहीं थीं, बल्कि उनके साथ श्रीकांत मौजूद थे. वो बात अलग है कि वो कैमरों से खुद को बचाकर पीछे की तरफ बैठे नजर आ रहे थे.

क्यों बार-बार झूठ बोल रही हैं सना मकबूल ?

शो जीतने के बाद जब सिद्धार्थ कनन को दिए गए इंटरव्यू में सना तो श्रीकांत को पहचानने से भी मुकबर गई थीं. उनसे जब पूछा गया कि श्रीकांत कैसे हैं, तो वो सीधा बोलीं कौन श्रीकांत ? उनसे आगे कहा गया आपके दोस्त, आपके बॉयफ्रेंड. इसपर उन्होंने कहा वो सिर्फ उनके दोस्त हैं और कुछ नहीं. ऐसे में अब सवाल ये है कि जब सना मकबूल की लाइफ में कोई है और वो उनके साथ अक्सर नजर भी आती हैं, तो उन्हें बार-बार झूठ बोलने की क्या ही जरूरत हैं.

अरमान मलिक और पाययल मलिक ने किया था ट्रोल

इसकी एक वजह ये भी हो सकती है कि जब सना ने अपनी शादी की बात कही थी तो श्रीकांत ने भी कंफर्म किया था कि जल्द शादी करेंगे. लेकिन जैसे ही सभी को पता चला की श्रीकांत उनके बॉयफ्रेंड हैं, तो अरमान मलिक ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उन्हें काफी ट्रोल भी किया था. अरमान का कहना था कि क्या सोचकर वो उससे शादी करने वाली है. इसपर पायल ने कहा था, मनी मनी.

शाहरुख खान की 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' ने रचा इतिहास, यूट्यूब पर 100 करोड़ बार देखा गया

Shah Rukh Khan और उनकी फिल्में एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ती हुई नजर आ रही हैं. पिछले साल जब शाहरुख 'पठान' के साथ बॉक्स ऑफिस पर आए, तो उनकी वापसी ने इंडस्ट्री को ही हिलाकर रख दिया. एक्टर की फिल्म ने सीधा 1000 करोड़ का छप्परफाड़ बिजनेस कर मेकर्स को मालामाल कर दिया. साल 2023 शाहरुख के लिए बेहद खास साबित हुआ. 'पठान' के बाद उन्होंने 1100 करोड़ी 'जवान' भी बॉक्स ऑफिस पर रिलीज की थी. इसी बीच शाहरुख ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है.दरअसल 2023 के सबसे ट्रेंडिंग गानों में से एक, पिछले साल की मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' ने यूट्यूब पर एक बिलियन व्यूज यानी इसे 100 करोड़ बार देखा जा चुका है. शाहरुख की फिल्म का ये दूसरा गाना है जिसने इस बड़ी अचीवमेंट को हासिल किया है. अरिजीत सिंह, सुकृति कक्कड़, विशाल और शेखर ने इस गाने को गाया और कंपोज किया है. शाहरुख की 'पठान' का गाना 'झूमे जो पठान' 22 दिसंबर 2022 को यशराज फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया था. जबकि फिल्म जनवरी साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

शाहरुख के गानों ने रचा इतिहास

'झूमे जो पठान' के रिलीज होते ही ये सोशल मीडिया से लेकर चार्टबस्टर तक पर ट्रेंड करने लगा था. सितारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इस गाने पर खूब रील्स भी बनाई थीं. गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिली थी. बॉस्को सीजर ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है. ये शाहरुख खान का दूसरा गाना है एक अरब बार देखा गया है. इससे पहले शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' का गाना 'तुझमें रब दिखता है' को 100 करोड़ बार देखा गया था.

वहीं अगर ओवरऑल बात की जाए तो ये 'झूमे जो पठान' यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज पाने वाला 21वां इंडियन म्यूजिक वीडियो है. वहीं हनुमान चालीसा 4 बिलियन से अधिक व्यूज के साथ सबसे ज्यादा देखा जाने वाला वीडियो बना हुआ है. ये यूट्यूब पर 2+ बिलियन व्यूज वाला इकलौता इंडियन वीडियो है. शाहरुख खान की 'पठान' को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था और इसे यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. शाहरुख-दीपिका के अलावा जॉन अब्राहम ने पिक्चर में विलेन का रोल निभाया था. हिंदी सिनेमा के इतिहास में 'पठान' दुनियाभर 1000 करोड़ की कमाई करने वाली दूसरी फिल्म है.

सलमान खान से टूटा रिश्ता तो क्रिकेटर को बनाया हमसफर, 14 साल भी नहीं टिकी थी शादी

सलमान खान हमेशा से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहे हैं. उनकी लाइफ में कई लड़कियां आईं और गईं. इन्हीं में से उनकी एक गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी भी थीं. अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से लोगों का दिल जीतने वाली संगीता का नाम सलमान खान के साथ खूब लिया जाता है. दोनों की शादी तक की खबरें थीं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की शादी के कार्ड तैयार हो गए थे, लेकिन तभी सलमान खान और संगीता का रिश्ता टूट गया. ऐसा कहा जाता है कि सलमान ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस सोमी अली के चक्कर में संगीता को धोखा दिया था. सलमान से ब्रेकअप के बाद संगीता ने शादीशुदा क्रिकेटर से शादी की थी, लेकिन उनकी शादी ज्यादा दिनों तक टिकी नहीं.संगीता बिजलानी पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की दूसरी बीवी बनी थीं. एक्ट्रेस से शादी करने की वजह से अजहर ने पहली पत्नी नौरीन को तलाक दे दिया था. दोनों का तालाक उस वक्त सबसे महंगे तलाकों में से एक था. अजहर को तलाक के हर्जाने के रूप में नौरीन को करीब 1 करोड़ रुपए देने पड़े थे. इंडिया टुडे माइंड रॉक्स इवेंट के दौरान अजहरुद्दीन ने बताया था कि संगीता उनकी पहली नजर का प्यार थीं. अजहर ने कहा, मैं 1985 में एक ऐड शूट के दौरान संगीता बिजलानी से मिला था, हां, यह पहली नजर का प्यार था. कोई भी इस बारे में इतना खुलकर बात नहीं करताञ्लेकिन मैं आपको बता रहा हूं.

फिल्मों की दुनिया को कह दिया था अलविदा

अजहर से 1996 में शादी करने के बाद संगीता ने इस्लाम कबूल कर लिया था. साथ ही उन्होंने फिल्मों की दुनिया को भी अलविदा कह दिया था. हालांकि शादी के 14 साल बाद दोनों का तलाक हो गया. दोनों के तलाक होने की वजह अजहर का अफेयर था. ऐसी खबरें थीं कि अजहर का अफेयर बैडमिंटन प्लेयर ज्वाला गुट्टा के साथ था, जिसकी वजह से संगीता ने उन्हें तलाक दे दिया था. अजहर को तलाक देने के बाद से संगीता आज तक अकेले रह रही हैं. वहीं अजहर ने अमेरिकी मूल की शेनन मेरी से शादी कर ली है.

सलमान खान और संगीता बिजलानी करने वाले थे शादी

सलमान खान और संगीता बिजलानी के रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. दोनों का रिश्ता करीब 10 साल तक चला था. ऐसी खबरें थीं कि कपल्स 27 मई 1994 को शादी करने वाले थे. सलमान ने कुछ लोगों को शादी के कार्ड तक बांट दिए थे, लेकिन आखिरी मौके पर संगीता ने सलमान से रिश्ता तोड़ लिया.

'...मजबूत होकर वापस आएंगी', कैंसर से जूझ रहीं Hina Khan की ऑनस्क्रीन बेटी अशनूर ने बढ़ाया हौसला

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इस वक्त ब्रेस्ट कैंसर की स्टेज 3 से जूझ रही हैं. कुछ महीने पहले एक इवेंट के दौरान हिना को अपनी इस बीमारी के बारे में पता चला था, जिसके बाद से वह इससे बहादुरी से लड़ रही हैं. एक्ट्रेस अपनी इस जर्नी और इलाज से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. इस बीच टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में हिना खान की बेटी नायरा का किरदार निभाने वाली उनकी को-स्टार अशनूर कौर ने एक्ट्रेस की बीमारी पर बात की है.ईटाइम्स से बात करते हुए अशनूर कौर ने बताया कि उनकी हिना से बात होती है. अशनूर ने कहा, वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं और जल्द ही इस बीमारी से लड़कर और भी ज्यादा मजबूत होकर वापस आएंगी. उन्होंने कहा, वह हमेशा से हमारी शेरखान रही हैं और सबसे मजबूत महिलाओं में से एक हैं. वह कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं और मैंने खुद इसका अनुभव उनके साथ काम करने से लेकर उन्हें कान्स फिल्म फेस्टिवल में जाते हुए देखने तक किया है. वह जहां भी जाती हैं, धमाल मचा देती हैं.

अशनूर ने कही ये बात

अशनूर कौर ने इंटरव्यू में बताया कि उनकी मां की भी हिना से बात होती है. उन्होंने कहा, मैं पूरे दिल से मानती हूं कि जिस तरह उन्होंने हर चीज का सामना किया है, हर मुश्किल का सामना किया है, वह निश्चित रूप से इस लड़ाई से पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरेंगी और बहुत जल्द वापसी करेंगी.

वीडियो किया था शेयर

हिना खान ने दो दिन पहले इंस्टा पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह एक्सरसाइज करती नजर आ रही थीं. वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, हर दिन आपको नीचे खींचने के लिए हजारों कारण सामने आ सकते हैं, लेकिन मेरे पास अपने भविष्य के लिए एक वादा है जिसे मुझे पूरा करना है और मैं प्रतिबद्ध हूं, क्या आप हैं ? यह पूरी तरह से मेरे डॉक्टर की सलाह और ट्रेनर की देखरेख में किया जाता है. केवल तभी जब मेरा शरीर अनुमति देता है.

कब दी थी कैंसर की जानकारी ?

हिना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 28 जून को कैंसर की खबर फैन्स से शेयर की थी. हिना ने पोस्ट में बताया, हाल ही में फैली अफवाहों को दूर करने के लिए, मैं सभी लोगों के साथ कुछ महत्वपूर्ण न्यूज शेयर करना चाहती हूं जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं. मुझे स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर है. मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ और पूरी तरह अटल हूं. मेरा इलाज शुरू हो चुका है, और मैं इससे और भी मजबूती से उबरने के लिए हर जरूरी काम करने के लिए तैयार हूं.

आपदा प्रभावित लोगों को जल्द मुआवजा दिया जाएः प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री ने की आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा

पत्रकार हरिओम परिहार

ऊर्जा मंत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर शिवपुरी भ्रमण पर आए। उन्होंने शिवपुरी में आपदा राहत की तैयारियों की समीक्षा की और अभी बुधवार को लगातार हुई वर्षा में जिले के विभिन्न इलाकों में हुई क्षति की जानकारी ली और निर्देश दिए हैं कि सर्वे जल्द कराएं और आपदा प्रभावित लोगों को जल्द मुआवजा दिया जाए। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा अभी टीम अलर्ट मोड पर रहे। कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित ना हो पाए। जल भराव वाले स्थलों पर लोग ना जाएं। यह भी अपील की है।उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा है कि जल भराव के कारण मच्छर जनित रोग उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए जहां जल भराव के कारण अधिक प्रभावित एरिया है वहां हेल्थ कैंप लगाए और लोगों का चेकअप कराया जाए। शहरी क्षेत्र में भी सीएमओ नगर

पालिका द्वारा दवा का छिड़काव कराया जाए। अतिवृष्टि के कारण कई गांव में विद्युत की समस्या भी आई है। विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने और जहां कहीं लाइट के पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं इसका प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं।

इसके अलावा शहर के मुख्य चौराहा पर स्ट्रीट लाइट चालू रहना चाहिए। पुलिस की टीम भी भ्रमण करती है यदि कहीं मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बंद है या खराब है तो उसकी जानकारी तत्काल विद्युत विभाग की टीम को दें। प्रभारी मंत्री ने कहा है कि इस प्रकार की आपदा प्राकृतिक है इन्हें रोका नहीं जा सकता परंतु आपदा में राहत एवं बचाव कार्य की तैयारी बेहतर होना चाहिए। संबंधित अधिकारी राजस्व, पुलिस का स्थानीय अमला सतर्क रहकर काम करें। कहीं भी कोई स्थिति खराब होती है उसकी तत्काल सूचना दी जाए जिससे वहां राहत एवम बचाव कार्य समय पर कराया जा सके।

सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. विद्यालय में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय एथलेटिक्स खेल कूद प्रतियोगिता

संवादाता हरिओम परिहार

विद्या भारती मध्य भारत की योजना अनुशार मुंगावली सरस्वती शिशु मंदिर में अशोकनगर जिले में विद्या भारती द्वारा सन्चालित सभी शिशु मन्दिर विद्यालयों की खेल कूद प्रतियोगिया दिनांक 13 सितम्बर दोपहर से आज दिनांक 14 सितम्बर के दोपहर तक आयोजित की गई

जिसमे जिले के समस्त सात विद्यालयों के लगभग 80 भैया बहिनो ओर उनके साथ आये संरक्षक आचार्य दीदीओ ने सहभागिता की। अशोक नगर के सरस्वती शिशु मंदिर पुरम पठार उ. मा. विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर प्राणपुरा (चन्देरी), सरस्वती शिशु मंदिर गौशाला मार्ग अशोक नगर, सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर नवीन बस स्टैंड चन्देरी , सरस्वती शिशु मंदिर ईसागढ़, ओर सरस्वती शिशु मंदिर बाचनालय भवन चन्देरी ओर सरस्वती शिशु मन्दिर उ. मा. विद्यालय मुंगावली भैया बहिनो ने ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फैंक, भाला फैंक, चक्का फैंक , 100, 200, 400, 600, 800,1500, 3000, ओर 5000 मीटर दौड़ें हूई जिसमे 1ह्यह्ल ओर 2ठ्ठस्र स्थान प्राप्त करने बाले भैया बहिनों को मेडल ओर प्रमाण पत्र वितरित किये गए। आज समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुंगावली थाना प्रभारी (टी आई) गब्बर सिंह गुर्जर, प्रतियोगिया के संयोजक महेश त्यागी, प्रभारी अवध बिहारी शर्मा, समिति व्यवस्थापक जगदीश शरण श्रीवास्तब, कोषाध्यक्ष प्रमोद चतुर्वदी निर्णायक सचिन घावरी, बलबीर यादव,भूपेंद्र कटारिया आदि संरक्षक आचार्य दीदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती माता और भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वल्लन कर किया गया । अतिथियो का परिचय विद्यालय के प्राचार्य विशाल भार्गव द्वारा करवाया गया। अंत मे आभार व्यक्त प्रभारी शर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन राधे श्याम उपाध्याय ने किया।

बिलाड़ा के रोनक ने लहराया तैराकी में परचम

नारायणलाल सैणचा बौद्धिक भारत बेंगलूरू
दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली। बिलाड़ा के रौनक सीरवी पुत्र माधव सिंह सीरवी निदेशक एस एम एस अकेडमी बिलाड़ा व मैनेजर आई आई टी अकादमी जोधपुर ने तैराकी के जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीता। छात्र रौनक ने अंडर - 14 जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेकर न केवल प्रथम स्थान प्राप्त किया बल्कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपना स्थान पक्का किया।छात्र के चयन से विद्यालय व परिवारजनों में खुशी का माहौल हैं। राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में चयन होने पर क्षेत्र के मोजीज महानुभावों ने बच्चे को बधाई व शुभकामनाएं दी।

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक संचालित होगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ टाउन हॉल में

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा की खबर

पन्ना। शासन के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार, 17 सितम्बर को स्थानीय टाउन हॉल में सुबह 11 बजे होगा। इसके लिए जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही अन्य अधिकारियों की भी नियुक्ति कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विकासखण्ड मुख्यालय, नगरीय निकाय व ग्राम पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार के अनुमोदन उपरांत जिला स्तरीय, विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय स्तरीय कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए मुख्य अतिथि का मनोनयन किया गया है, जिसके तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे परमार मुख्य अतिथि होंगी। पूनम यादव भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी। इसी तरह अजयगढ़ के विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष रामरती यादव एवं विष्णु प्रताप सिंह, गुनौर के विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष जलसी बाई आदिवासी एवं सुशील त्रिपाठी, पवई के विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष मोहनी मिश्रा एवं दीपेन्द्र सिंह तथा शाहनगर के विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशीष खरे एवं राकेश जैन उपस्थित रहेंगे। नगरीय निकाय स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत नगर परिषद अमानगंज के कार्यक्रम में अध्यक्ष सारिका खटीक एवं प्रशांत चतुर्वेदी, देवेन्द्रनगर में अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता एवं हीरा पटेल तथा ककरहटी में अध्यक्ष लक्ष्मी चौधरी और दीपक शर्मा उपस्थित रहेंगे।

विकास के काम में विकास होना चाहिए राजनीति नहीं: मंत्री श्री शुक्ला

5 दिन की जगह अब 10 दिन लगेगा जल बिहार मेला, नगर परिषद द्वारा नहीं की जायेगी वसूली, मंत्री श्री शुक्ला एवं श्री रामदास जी महाराज ने गोरमी में जल बिहार मेला महोत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला एवं श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज ने नगर परिषद गोरमी द्वारा 14 से 22 सितम्बर तक आयोजित जल बिहार मेला महोत्सव एवं गौरव दिवस कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान नगर परिषद गोरमी अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जाटव, सीएमओ गोरमी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि गोरमी का ये मेला अच्छा और भव्यता से लगे इसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यह जल बिहार मेला पांच दिवस का होता था लेकिन अब यह मेला दस दिन का रहेगा और नगर परिषद द्वारा की जाने वाली वसूली भी नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि गोरमी क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर विकास के क्षेत्र में अग्रसर रहना चाहिए, विकास के काम में विकास होना चाहिए राजनीति नहीं होनी चाहिए तभी क्षेत्र का विकास संभव है।

महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा की खबर

पन्ना- जिला कार्यक्रम अधिकारी ऊदल सिंह ठाकुर के निर्देशन में वन स्टॉप सेन्टर (सखी) पन्ना द्वारा शनिवार को 100 दिवसीय जागरूकता अभियान हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन के तहत शाहनगर विकासखण्ड में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सेन्टर की प्रशासक कविता पाण्डेय सहित केस वर्कर मीरा लोधी और सत्या थापक ने उपस्थित महिलाओं को कानूनी सहायता प्राप्त करने व महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर की जानकारी से अवगत कराया। साथ ही शासकीय माध्यमिक कन्या विद्यालय एवं सीएम राइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में बालिकाओं को माहवारी, एनीमिया के बारे में समझाईश देकर बेटी बचाओ-बेटी पड़ाओ, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा व साइबर क्राईम से बचाव के संबंध मे जागरूक किया गया।

अतिवृष्टि से तबाह हुए गांव चुस्सलई के परिवार, घर बर्बाद, उम्मीदें टूटीं

जितेन्द्र त्यागी ब्यूरो चीफ मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

चुस्सलई, मुरैना। पिछले एक हफ्ते से चंबल क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने गांव चुस्सलई के कई परिवारों को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। इस अतिवृष्टि के कारण गांव के कई घर धराशायी हो गए हैं, जिसमें जोर सिंह तोमर, राजवीर तोमर, लच्छी तोमर, और हरिया तोमर के परिवार बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। उनके घरों की दीवारें ढह गई हैं, और इस विनाशकारी बारिश ने उनकी जीवनभर की मेहनत को पल भर में मिट्टी में मिला दिया है। घर की छतें ढही, उम्मीदें बिखरीं-चुस्सलई गांव, जो चंबल नदी के किनारे स्थित है, हमेशा से प्राकृतिक आपदाओं की मार झेलता रहा है। इस बार की भारी बारिश ने इन परिवारों के घरों को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। जोर सिंह तोमर बताते हैं, सारी रात पानी बरसता रहा, और सुबह होते ही घर की दीवारें गिरने लगीं। हमारे पास अब सिर छुपाने की भी जगह नहीं बची। लच्छी तोमर की आँखों में आंसू भर आते हैं जब वह अपने बर्बाद हुए घर की ओर इशारा करती हैं, 卐हमने सालों से एक-एक पैसा जोड़कर ये घर बनाया था, अब सब कुछ खत्म हो गया। हमें नहीं पता कि अब हम कैसे जियेंगे। कठिन समय में सहारा की उम्मीद-प्रभावित परिवार इस त्रासदी के बाद असहाय महसूस कर रहे हैं। राजवीर तोमर ने बताया, 卐यह बारिश हमारी सारी उम्मीदें बहा ले गई है। अब न रहने का ठिकाना है, न ही खाने का कोई इंतजाम। हम सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। चंबल के किनारे बसे इन गांवों के लोगों के लिए बारिश कभी-कभी वरदान होती है, लेकिन इस बार की अतिवृष्टि ने उनकी खुशियों को उजाड़ दिया है। प्रभावित परिवारों को सरकार और स्थानीय प्रशासन से मदद की उम्मीद है ताकि उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाया जा सके। चंबल घाटी का संघर्ष जारी-गांव चुस्सलई के साथ-साथ आसपास के कई अन्य गांव भी इस भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। चंबल घाटी में बाढ़ और बारिश के कारण साल दर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है। ग्रामीण अब केवल मदद और पुनर्निर्माण की आस लगाए बैठे हैं।

रेत माफिया के खिलाफ जंग में एक आईपीएस तक शहीद चंबल में फिर भी जारी है अवैध रेत उत्खनन

जितेन्द्र त्यागी ब्यूरो चीफ मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे न्यूज

कुछ साल पहले, 2012 में, मुरैना जिले में तैनात एक युवा और निडर आईपीएस अधिकारी, *नरेंद्र कुमार सिंह* की हत्या ने पूरे देश को हिला दिया था। आईपीएस नरेंद्र कुमार, जो उस समय मुरैना जिले में उप पुलिस अधीक्षक (ष्ठस्क्क) के पद पर तैनात थे, ने अवैध रेत खनन माफियाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की थी। जब उन्होंने अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को रोकने की कोशिश की, तो रेत माफियाओं ने जानबूझकर उन पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अवैध खनन पर लगा ग्रहण, फिर भी जारी है ढुलाई

–आईपीएस नरेंद्र कुमार की हत्या के बाद रेत माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए थे, लेकिन आज भी चंबल के घाटों से अवैध रेत खनन और ढुलाई खुलेआम जारी है। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से दिन-रात रेत की अवैध तरीके से ढुलाई हो रही है। इसके बावजूद पुलिस और प्रशासन पर अवैध उत्खनन रोकने में नाकामी के आरोप लग रहे हैं।

पुलिस एनकाउंटर की कड़ी में जुड़ी घटनाएं

–इस क्षेत्र में पुलिस और माफियाओं के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है। आईपीएस नरेंद्र कुमार की हत्या के बाद, मुरैना और भिंड जिलों में कई पुलिस एनकाउंटर भी हुए हैं। इनमें से एक प्रमुख एनकाउंटर 2018 में सब-इंस्पेक्टर रामबीर सिंह का है, जिसमें उन्होंने रेत माफिया के खिलाफ ऑपरेशन में भाग लिया था।

इसके बाद, 2019 में एक और बड़ा एनकाउंटर हुआ जब पुलिस ने दो प्रमुख रेत माफिया सरगनाओं को पकड़ने की कोशिश की। इसमें पुलिस की गोली से दोनों माफिया मारे गए। इस कार्रवाई के बाद कुछ समय के लिए अवैध उत्खनन पर अंकुश लगा, लेकिन यह ज्यादा दिन तक नहीं टिक सका।

प्रशासन की नाकामी या मिलीभगत

–स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि रेत माफियाओं और प्रशासन के बीच गहरी मिलीभगत है, जिसके कारण अवैध खनन जारी है। चंबल के घाटों से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां रेत लेकर गुजरती हैं, और पुलिस द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है।

स्थानीय लोगों की बढ़ती चिंता–

स्थानीय निवासी रामवीर सिंह यादव बताते हैं, चंबल घाटी में अवैध खनन इतना बढ़ चुका है कि यहाँ की जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। पुलिस प्रशासन भी या तो बेबस नजर आता है या माफियाओं के साथ मिला हुआ है।

आगे की राह–

इस अवैध रेत खनन को रोकने के लिए सरकार को न केवल सख्त कानून लागू करने की जरूरत है, बल्कि क्षेत्रीय प्रशासन की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। चंबल घाटी में कई प्रमुख पुलिस अधिकारियों ने अपनी जान दी है, लेकिन अवैध खनन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा।

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुकसान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

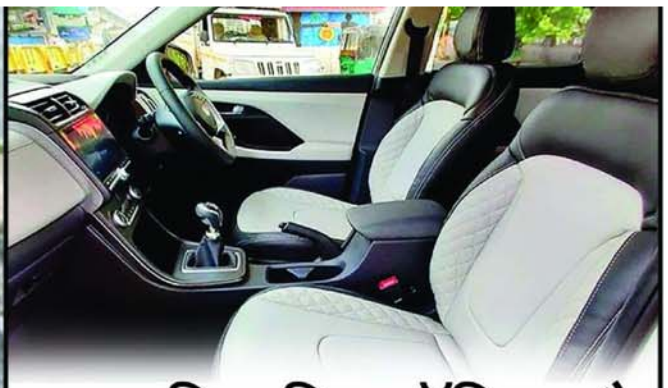

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

न्यूज ट्रैक

संयुक्त चिकित्सालय सीसुबल में रक्तदान शिविर आयोजित

ग्वालियर। संयुक्त चिकित्सालय सीमा सुरक्षा बल टेकनपुर में जयारोग्य अस्पताल और गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय की ब्लड बैंक टीम के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उदघाटन निदेशक सीमा सुरक्षा बल सेवांग नामग्याल ने किया। इस अवसर पर अन्य सीनियर अधिकारियों ने रक्तदान शिविर में आये कार्मिकों का हौसला बढ़ाया। रक्तदान शिविर सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक चला। जिसमें निदेशक सीमा सुरक्षा बल सेवांग नामग्याल ने स्वयं रक्तदान किया। शिविर में अन्य सीनियर अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर 243 यूनिट ब्लड का दान किया। इस दौरान जयारोग्य अस्पताल के 2 डॉक्टर और 15 पैरामेडिकल स्टाफ और संयुक्त चिकित्सालय सीमा सुरक्षा बल के सभी अधिकारी एवं अन्य मेडिकल स्टाफ ने चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

मरम्मत के बाद बिल्हेटी पुल से बाइक, कार व जीप जैसे छोटे आवागमन शुरू

ग्वालियर । बीते दिनों हुई तेज बारिश की वजह से मुरार चितौरा मार्ग पर बिल्हेटी ग्राम के समीप स्थित पुल के नजदीक एप्रोच रो? कट गई थी। इस वजह से आवागमन बंद हो गया था। सेतु निगम की टीम द्वारा इस एप्रोच रोड़ की अस्थायी मरम्मत कर दी गई है। साथ ही पुल के ऊपर से मोटर साइकिल, कार व जीप इत्यादि छोटे वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। पुल से अभी भारी वाहनों का आवागमन बंद है। तकनीकी परीक्षण के बाद भारी वाहनों के आवागमन की अनुमति दी जायेगी।

श्री काशीबाबा देवस्थान न्यास के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रजापति समाज ने दी बधाई

ग्वालियर । प्रजापति समाज के आराध्य देव श्री काशीबाबा सरकार बेहट की देखरेख हेतु संचालित संस्था श्री काशीबाबा देवस्थान न्यास के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष पूरन सिंह प्रजापति, महामंत्री ओमप्रकाश प्रजापति, कोषाध्यक्ष रामबाबू प्रजापति को ग्वालियर चंबल अंचल के प्रजापति समाज के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाईयां दी है। श्री काशीबाबा देवस्थान न्यास के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष पूरन सिंह प्रजापति, महामंत्री ओमप्रकाश प्रजापति, कोषाध्यक्ष रामबाबू प्रजापति को बधाई देने वालों में डॉ. रामबिहारी प्रजापति, डॉ. कमल प्रजापति, सुरेश प्रजापति, डॉ. कल्याण प्रजापति गोरमी, दिनेश प्रजापति मुरैना, बलवंत प्रजापति, सटोलाराम प्रजापति, फूलसिंह प्रजापति, राजू प्रजापति, दौलतराम प्रजापति, अशोक प्रजापति भिण्ड, रघुराई प्रजापति पूर्व भिण्ड अध्यक्ष, रामदास फौजी भिण्ड, वेदराम मास्टर डबरा, जमनादास प्रजापति दतिया, रामसेवक प्रजापति दतिया, प्रीतम प्रजापति दतिया, हवलदार सिंह प्रजापति, एडवोकेट प्रकाश टांक हरदा, राजवीर प्रजापति, हरज्ञान प्रजापति शिवपुरी, नरेश प्रजापति, भोलाराम प्रजापति, रविरमण प्रजापति, मयंक प्रजापति, रघुवीर प्रजापति, रामौतार प्रजापति, लक्ष्मण प्रजापति, अरूण प्रजापति, अशोक प्रजापति, श्रीपत प्रजापति सबलगढ़, महेश प्रजापति जौरा सहित अनेक लोग शामिल हैं।

नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते से निराकृत हुए 8122 प्रकरण

- 68 करोड़ 46 लाख से अधिक राशि के अवार्ड पारित, 10785 व्यक्ति हुए लाभान्वित

ग्वालियर। जिले में इस साल की तीसरी नेशनल लोक अदालत शनिवार को आयोजित हुई। जिला न्यायालय, कुटुबं न्यायालय, श्रम न्यायालय, रेलवे न्यायालय व जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। साथ ही सिविल न्यायालय डबरा व भितरवार में भी लोक अदलात आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में आयोजित नेशनल लोक अदालत के लिए गठित 73 खंडपीठों ने 8 हजार 122 मामलों में राजीनामा कराकर आपसी समझौते के आधार पर निराकरण कराया गया। साथ ही 68 करोड 46 लाख 28 हजार से ज्यादा राशि के अवार्ड पारित किए गए। नेशनल लोक अदालत से जिले में 10785 हजार व्यक्तियों को लाभांवित कराया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीसी गुप्ता द्वारा शनिवार को प्रातः 10.30 बजे माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर नेशनल लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष दवंडे, समस्त जिला न्यायाधीश,मुख्य

न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार मुजाल्दा उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट की लोक अदालत में 434 प्रकरणों का हुआ निराकरण-उच्च न्यायालय खण्डपीठ में शनिवार को आयोजित हुई नेशनल लोक अदालत में 434 प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही मोटर दुर्घटना क्लेम अपील प्रकरणों में पी?ित पक्षकारों को लगभग 5 करो? एक लाख 74 हजार रूपए का अतिरिक्त क्षतिधन दिलाया गया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन एवं उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक के मार्गदर्शन में किया गया। उच्च न्यायालय की नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक व सीनियर एडवोकेट केएन गुप्ता तथा न्यायाधिपति श्री मिलिंद रमेश फड़के व एडवोकेट संजय द्विवेदी की खण्डपीठों ने आपसी सहमति के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया। उच्च न्यायालय खण्डपीठ में लगी नेशनल लोक अदालत ने पाँच लाख रूपए की वृद्धि कर दी है।

डोल ग्यारस से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू, भंडारे हुये

ग्वालियर। डोल ग्यारस से गणेश जी महाराज की प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ हो गया है। सागरताल की सफाई के कारण सागरताल के पास ही नगर निगम ने वैकल्पिक जलाशय तैयार किया है। इसमें बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा है। वही सागरताल पर विसर्जन के लिए अनजाने में पहुंच रहे भक्तो को निगमकर्मियो द्वारा अस्थाई जलाशय पर भेजा जा रहा है। जबकि छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन कटोराताल पर किया जाएगा।

ग्वालियर में भाद्रपद(भादो) मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर डोल ग्यारस से गणेश विसर्जन होना प्रारंभ हो गया है। अंचल में गणेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। शनिवार को डोल ग्यारस के अवसर पर शहर के कई पंडालों, घरों और संस्थानों स्कूल आदि में विराजमान किए

गए भगवान गणेशजी को पूरे श्रद्धाभाव से विदा किया गया। वही स्कूलों से स्कूली बच्चों ने गाजे-बाजे से बप्पा को विदाई दी। अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ गणपति जी का विसर्जन किया। हर साल की तरह इस बार भी डोल ग्यारस के अवसर पर गाजे बाजे के साथ अबीर गुलाल उड़ाते हुए गणपति बप्पा मोरया, अगले साल फिर आना के जय घोष के साथ गणपति जी का विसर्जन किया जा रहा है। गणेश जी का विसर्जन अनंत चतुर्दशी 16 सितम्बर तक चलेगा। शहर में चलित जलाशयों की व्यवस्था भी की गई है। वहीं गणेश जी की बड़ी मूर्तियों के विसर्जन के लिए सागरताल के पास ही नगर निगम ने वैकल्पिक जलाशय तैयार कर की है। गणेशजी को ढोल ताशों और बैंड बाजों के साथ हंसी खुशी लोगों ने सागरताल पहुंचकर विसर्जन कर विदाई दी। डोल ग्यारस पर लोग कटोराताल में गणेशजी की छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन करने पहुंचे। डोल ग्यारस के दिन शहर में जगह-जगह भंडारों का आयोजन भी हुआ।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा अभियंता संघ अभियंता दिवस मनायेगा

ग्वालियर। सेवानिवृत्त डिप्लोमा अभियंता संघ की क्षेत्रीय समिति ग्वालियर चंबल एवं जिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में अभियंता दिवस पर 15 सितंबर को कार्यक्रम चेम्बर ऑफ कॉमर्स सनातन धर्म मंदिर रो? पर मनाई जायेगी। कार्यक्रम में सांसद भारत सिंह कुशवाह, मुख्य अभियंता जलसंसाधन विभाग इं. एस.के. वर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता इं. एन.पी. कोरी, सलाहकार एवं मार्गदर्शक इं. पी.के. उपमन्यु, सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी इं. श्रीराम शर्मा, संरक्षक इं. यू.एस. यादव, कार्यकारी प्रातांध्यक्ष इं. एस.के. शर्मा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुये डिप्लोमा अभियंता साथियों का सम्मान एवं 75 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के सेवानिवृत्त डिप्लोमा साथियों को सम्मानित किया जायेगा।

हिंदी दिवस : अटलजी व पवैया जिन्होंने हिंदी का मान बढ़ाया

ग्वालियर। आज हिंदी दिवस पर सभी हिंदी भाषियों की ओर से बधाई, हिंदी की आन-बान और शान बनाये रखने के लिये हर हिंदी भाषी कृतसंकल्पित हैं। लेकिन विशेष बात यह है कि ग्वालियर की धरा के दो सपूत ऐसे हुये हैं, जिन्होंने हिंदी का सम्मान बनाये रखने के लिये विदेशों में जाकर हिंदी में अपने विचार रखे और हिंदी का सम्मान भरपूर ब?ाया, जिससे हम सब हिंदी भाषियों का सर गर्व से ऊंचा हो गया था। पहले विभूमि थे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, जिन्होंने विदेश मंत्री के रूप में यूएनओ में हिंदी की आवाज बुलंद की और संपूर्ण विश्व में हिंदी की पताका फहराई। यह स्मरण आज हर हिंदी भाषी गर्व से याद करता हैं। इसी क्रम में दूसरी शख्सियत बने के पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री कुंवर जयभान सिंह पवैया। जिन्होंने अटलजी के ही प्रधानमंत्री काल में चिली में 2003 में अंतर्राष्ट्रीय संसदीय संघ आईपीयू के 114वें सम्मेलन में हिंदी में देश की बात रखी। सांसद पवैया ने राष्ट्रभाषा हिंदी में जिस तरह से अपनी बात रखी उससे विश्व के सभी संसदीय प्रतिनिधि अचंभित रह गये, वहीं पवैया ने हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय संसदीय संघ में मान्य भाषा के रूप में शामिल कराने का नवीन इतिहास भी अंकित किया। पवैया ने तो इसके बाद संसदीय संघ में आये मीडिया प्रतिनिधियों से यह भी कहा कि मां, मातृभूमि व मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं होता यह मंत्र मैंने श्रद्धेय अटलजी ही सीखा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटलजी व पूर्व सांसद पवैया के द्वारा हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मान्य भाषा का सम्मान दिलाने के लिये की गई पहल आज भी लोगों की स्मृति में हैं। हमें भी हिंदी का सम्मान ब?ाने के लिये इस हिंदी दिवस पर शपथ लेनी होगी कि हम अधिकाधिक हिंदी का उपयोग करेंगे और हिंदी में बात रखने से कभी पीछे नहीं हटेंगे।

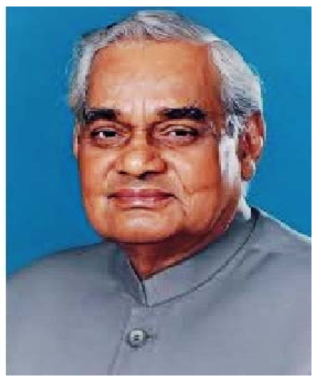

क्षति का आंकलन करने गाँव-गाँव पहुँचे सर्वेक्षण दल

ग्वालियर । जिले में अतिवर्षा व जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में शनिवार को जिला प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के संयुक्त दल पहुँचे। इन दलों द्वारा मकान, घर -गृहस्थी का सामान, फसल नुकसान व पशु हानि सहित अतिवर्षा से हुए अन्य नुकसान का युद्ध स्तर पर सर्वेक्षण किया जा रहा है। सर्वे के आधार पर प्रभावित लोगों को राहत राशि प्रदान की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व टीएन सिंह सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी सर्वेक्षण कार्य की मॉनीटरिंग के लिये ग्रामीण अंचल में पहुँचे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सर्वे कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से अंजाम देने के लिये लगभग एक दर्जन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व टी एन सिंह को इन विभागों द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य व लोगों को पहुँचाई जा रही सहायता की मॉनीटरिंग करने की जवाबदेही सौंपी है। शनिवार को जिला प्रशासन के सर्वेक्षण दलों ने वर्षा प्रभावित गाँवों व कस्बों में घर-घर पहुँचकर क्षति का आंकलन किया। साथ ही प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही राज्य शासन के प्रावधानों के तहत उन्हें

राहत राशि उपलब्ध कराई जायेगी। जिले में अति वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए विद्युत वितरण कंपनी के मैदानी अमले द्वारा विभिन्न स्थानों पर युद्ध स्तर पर सुधार कार्य किया जा रहा है। जलभराव और तेज बारिश के कारण जिन इलाकों में बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, खंभे गिर गए थे और ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। उन सभी को सुधारने का काम शनिवार को अभियान बतौर किया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए हैं कि प्रयास ऐसे हों कि जिले के सभी इलाकों की बिजली आपूर्ति जल्द से जल्द सुचारू हो जाए। जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का काम भी अभियान बतौर जारी है। शनिवार को मोतीझील रोड़, तिघरा रोड़, मुरार तहसील के ग्राम रौरा, मेहदपुर पहुँचमार्ग व दुबहाटांका से घाटीगांव रोड़ सहित डबरा, भितरवार एवं चीनोर क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढे भरने व मरम्मत का कार्य किया गया। अतिवर्षा से प्रभावित हुई फसलों के सर्वेक्षण का काम भी शनिवार को जारी रहा। मुरार विकासखंड के अंतर्गत डबरा, बंधोली, सौंसा, बंधा, अर्रोली, टिहोली, बड़ेरा फुटकर, डबका व हस्तिनापुर सहित अन्य ग्रामों में ज्वार, बाजरा, तिल व उड़द सहित खरीफ की अन्य फसलों में हुए नुकसान का सर्वेक्षण किया गया। इसी तरह डबरा, भितरवार व घाटीगाँव क्षेत्र के ग्रामों में भी फसलों के सर्वेक्षण का काम जारी रहा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478